हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 3 जुलाई 2026

स्कूलों में मंत्रोच्चार के आदेश को चुनौती, याचिका खारिज

बिलासपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के स्कूलों में मंत्रोचार शुरू करने के आदेश को चुनौती देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ़ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। अब्दुल सलाम रिजवी की ओर से पेश याचिका में कहा गया था कि यह आदेश भारत के संविधान का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता ने 12 जून 2026 को जारी राज्य सरकार के इस आदेश को रद्द करने की मांग याचिका में की थी।

हरिभूमि फॉलोअप

याचिका में यह उल्लेख किया गया था कि संविधान के अनुसार राज्य को धार्मिक तटस्थता बनाए रखने और सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान प्रदर्शित करने का दायित्व है। स्कूल शिक्षा विभाग का यह आदेश, विशिष्ट हिंदू धार्मिक प्रार्थनाओं और मंत्रों को अनिवार्य विद्यालयी गतिविधियों के रूप में निर्धारित करके, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और अन्य समुदायों के छात्रों के साथ भेदभाव करता है और उनकी अंतरात्मा और धर्म की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। याचिका पर जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच में आज सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदेश में यह कहीं भी चालू नहीं हुआ है। इस पर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को छूट देते हुए कहा कि जब इस तरह की गतिविधियां हो तो आप पिटिशन फाइल कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने उक्त याचिका खारिज कर दी है।

शासकीय विद्यालयों के गणवेश बदले, स्लेटी स्कर्ट/ पैंट के साथ नीले रंग की चेक शर्ट

बदल दिए रंग, लेकिन बदहाली यथावत...नई यूनिफॉर्म का कपड़ा पतला, पहनने में संकोच कर रहीं बच्चियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यालयों में यूनिफॉर्म वितरण का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। स्कूलों में यूनिफॉर्म तो वितरित हो गए हैं, लेकिन विद्यार्थी विशेषकर छात्राएं इन्हें पहनने में संकोच कर रही हैं। इसका कारण गणवेश की गुणवत्ता है। जो गणवेश स्कूलों में वितरित किए गए हैं, वे इतने पतले हैं कि इनसे आसानी से आर-पार देखा जा सकता है। लड़कों को इसे पहनने में अधिक दिक्कत नहीं हो रही है, लेकिन लड़कियां इसे पहनने में असहज महसूस कर रही हैं। प्रदेश के हथकरघा विपणन संघ द्वारा इसे तैयार किया गया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

59 लाख सेट के लिए 156 करोड़ की राशि हुई थी स्वीकृत

सूचना दें, रिप्लेस करवाएंगे

जहां कहीं भी गुणवत्ता को लेकर शिकायतें हैं वे हमें सूचित करें। हम तत्काल रूप से ऐसे गणवेश का रिप्लेस करवाएंगे।

-एमएम जोशी
सचिव, हथकरघा संघ

रायपुर व दुर्ग में एक ही सेट

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में गणवेश के लिए शासन द्वारा 156 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। 59 लाख यूनिफॉर्म सेट इस राशि से तैयार किए गए हैं। प्रत्येक छात्र को दो-दो सेट प्रदान किए जाने का प्रावधान है। सरगुजा, बिलासपुर व बस्तर शिक्षा संभाग में दो-दो सेट यूनिफॉर्म वितरित की जा चुकी है, जबकि रायपुर व दुर्ग में अधिकतर जगहों पर एक-एक सेट गणवेश का ही वितरण हो सका है। विभाग द्वारा यहां भी 15 जुलाई तक दो सेट वितरण का लक्ष्य पूर्ण करने की बात कही जा रही है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹108815/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹132900/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹145072/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

बुआई में देरी से उत्पादन कम होने की आशंका, किसानों को अब बारिश का इंतजार

जून सूखा गया, अब बिना बारिश हर दिन किसानों को पड़ रहा भारी

राजनांदगांव- सचिन अग्रहरि, खैरागढ़- चैतेन्द्र तिवारी, मोहला- एनिशपुरी गोस्वामी, कवर्धा-महेश मिश्रा, दुर्ग देवीलाल साहू, जगदलपुर- महेंद्र विश्वकर्मा की विशेष रिपोर्ट

जून का महीना लगभग सूखा बीत गया। अब बिना बारिश के बीत रहा हर दिन किसानों के लिए भारी पड़ रहा है। किसानों की पूरी उम्मीद अब जुलाई पर टिकी है, उसमें भी पहला सप्ताह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। जानकार बताते हैं कि इस हफ्ते अगर बुआई के लायक बारिश होती है तो खेती सम्हल सकती है। वरना असिंचित क्षेत्र के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दुर्ग संभाग में मानसून की सुस्त चाल ने खरीफ सीजन की शुरुआत को प्रभावित कर दिया है। संभाग के राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण धान की बुवाई अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी है। लाखों किसान खेत तैयार कर खाद और बीज की व्यवस्था कर चुके हैं, लेकिन पर्याप्त नमी नहीं होने से अधिकांश खेत अभी भी खाली पड़े हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खरीफ खेती के लिए जून का महीना सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी दौरान अच्छी बारिश होने पर धान की बुवाई और रोपाई तेजी से होती है, लेकिन इस बार मानसून की धीमी रफ्तार के कारण खेती का पूरा चक्र प्रभावित हुआ है। यदि जुलाई के पहले सप्ताह में अच्छी ▶▶|शेष पेज 6 पर

पर्याप्त नमी नहीं होने से अधिकांश खेत अभी भी खाली

दस फीसदी बुवाई

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में भी बारिश की कमी का असर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कई गांवों में खेतों की जुताई पूरी हो चुकी है, लेकिन पर्याप्त नमी नहीं होने के कारण धान की रोपाई शुरू नहीं हो सकी है। खैरागढ़ जिले में जून के दौरान सामान्य वर्षा की तुलना में लगभग आधी बारिश दर्ज की गई, जिससे अब तक केवल 10 से 12 प्रतिशत क्षेत्र में ही बुवाई हो सकी है।

सिंचाई सुविधा वाले किसान कर रहे बुवाई

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों में भी स्थिति लगभग समान है। कहीं हल्की बारिश हुई तो कहीं बादल आए लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं हुई। इससे कृषि कार्य प्रभावित हुए हैं। वर्तमान में जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है, वे बोरवेल और पंप के सहारे सीमित क्षेत्र में बुवाई कर रहे हैं। लेकिन वर्षा आधारित खेती करने वाले अधिकांश किसान पूरी तरह मानसून पर निर्भर हैं।

बुआई में देरी की हो सकती है भरपाई

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में लगभग 85 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती होती है। कृषि विभाग के उप संचालक जे.एल. मंडावी के अनुसार किसानों ने खेती की तैयारी पूरी कर ली है तथा अतिरिक्त बीज का भंडारण भी किया गया है। विभाग को उम्मीद है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश होती है तो बुवाई में आई देरी की भरपाई हो सकती है।

कवर्धा में 74 फीसदी बोआई

कबीरधाम जिले में मानसून सक्रिय होने के बाद खरीफ फसलों की बोनी का कार्य तेजी से जारी है। कृषि विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार खरीफ वर्ष 2026 के लिए जिले में कुल 1 लाख 92 हजार 700 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न खरीफ फसलों की बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें सबसे प्रमुख फसल धान है, जिसके लिए 88 हजार 200 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है। अब ▶▶|शेष पेज 6 पर

हफ्ते भर की बारिश ने खेतों में लाई जान

बस्तर संभाग और आसपास के क्षेत्रों में मानसून का देरी से आगमन और कम वर्षा के कारण धान की खेती का रकबा कुछ क्षेत्रों में प्रभावित हुआ है। बस्तर की अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र काफी हद तक मानसून और धान की उपज पर निर्भर हैं। मानसून के कमजोर रहने और अनियमित बारिश की वजह से धान की रोपाई और बोनी में पिछड़ने की समस्या कुछ क्षेत्रों में है वहीं हफ्ते भर की बारिश ने खेतों में जान ला दी है इसलिए रोपा का काम तेजी से शुरू हो गया है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

एससीएलएससी की अध्यक्ष होंगी न्यायमूर्ति नागरत्ना

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने 29 जून से प्रभावी उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष के रूप में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना को नामित किया है। सीजेआई ने 29 जून, 2026 से प्रभावी भारत के उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश माननीय श्रीमती न्यायमूर्ति बी.वी नागरत्ना को उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष के रूप में नामित किया है।

तीन राज्यों की तीन विस सीटों पर 30 को उपचुनाव

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। इन सीटों के लिए 30 जुलाई को मतदान होगा। मतगणना तीन अगस्त को होगी। बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष नितिन के विधायक पद से इस्तीफा देने से बांकीपुर, कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एक मामले में दोषी के बाद सीट खाली है।

दो सगे भाइयों समेत तीन मजदूरों की मौत

गोंडा। यूपी के गोंडा जिले में बृहस्पतिवार सुबह सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें दो सगे भाइयों समेत तीन मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तरबगंज थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी रवींद्र पासवान (40), उसके भाई राजेंद्र पासवान (45) और राम गुलाम पासवान (55) के रूप में हुई है।

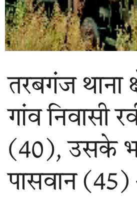

आकाशीय बिजली से तीन की गई जान

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। पहली घटना बुधवार को गड़वार थाना क्षेत्र के धर्मनपुर गांव में हुई, जहां मुख्तार राम (55) और उसका भाई अवधेश (45) खेत में काम कर रहे थे। पुआकाशीय बिजली की चपेट में आने से दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें रतसर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मुख्तार को मृत घोषित कर दिया।

चार्ल्स शोभराज के चेले जॉन ने देशभर के 300 लग्जरी होटलों में ली मुफ्त में सेवाएं, रायपुर में धरा गया

गिरफ्तार जालसाज 15 साल देश के अलग-अलग राज्यों की जेल में रहा, बाकी समय होटलों में बिताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर के होटल हयात में मुफ्त सेवाएं लेते पकड़े गए ठगराज की कहानी बिल्कुल फिल्मी है। उसने देशभर के तकरीबन 300 होटलों में ठगी-चोरी की और लग्जरी लाइफ जीता रहा। इस ठग का नाम बिंगसन जॉन है। 69 वर्षीय जान को तेलीबांधा इलाके के फाइव स्टार होटल हयात में एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट ने दबोचा है। पूछताछ में पता चला कि जान ठगराज चार्ल्स शोभराज को अपना आइडियल मानता है। जान ने होटल हयात में ▶▶|शेष पेज 6 पर

जेल को मानता है होम स्टे

गिरफ्तार जालसाज ने 1990 में ठगी करना शुरू किया था। 21 वर्षीया मंगेतर की मौत के बाद उसने शादी करने का विचार त्याग दिया और ठगी करने लगा। सबसे पहले वो 1996 में ठगी करने पर गिरफ्तार हुआ। अब तक उसने अपने जीवन काल के कुल उम्र में से 15 वर्ष जेल में व्यतीत की है। पकड़े जाने पर वह पुलिस को गुमराह करने की बजाय अपना अपराध कबूल कर लेता है। जालसाज जेल को होम स्टे तथा होटलों को पर्यटन स्थल मानता है। पूछताछ में पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक बिंगसन पहले गाइड का काम करता था।

फिल्मी अंदाज में जीता था जिंदगी

पूछताछ में जालसाज ने पुलिस को बताया कि पिछले 36 वर्षों से उसकी जिंदगी जेल और महंगे होटलों के बीच ही गुजर रही है। जेल से बाहर निकलते ही वह किसी नए शहर के पांच सितारा होटल को अपना निशाना बनाता था। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ देशभर में बड़ी संख्या में आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसका लंबा आपराधिक इतिहास सामने आया है।

बारिश से बचने खड़े थे पेड़ के नीचे, गाज से मां-बेटी की मौत

राजपुर। छत्तीसगढ़ में बलरामपुर जिले के ग्राम पतरापारा में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से मां-बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। मां-बेटी खेत में काम करने गई थी तभी दोपहर के अचानक तेज गरज चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पेड़ के नीचे खड़ी थीं, तभी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। एक साथ एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत हो जाने से गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार ग्राम पतरापारा निवासी मानती टेकाम (33 वर्ष) गुरुवार को खेत में काम करने 14 वर्षीय पुत्री कुमारी विमला टेकाम के साथ गई थी। दोपहर में दोनों खेत में काम कर रही थी तभी अचानक तेज गरज चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने मां-बेटी खेत के समीप स्थित एक सेमल के पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं। इसी दौरान आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई, जिसकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस सरकार में ही बनी विधायक कालोनी की योजना उसके बाद दो साल में 15 हेक्टेयर भूमि पर हो गया कब्जा

सोशल मीडिया में तैर रही सूची कई के कब्जे में विशाल भूखंड

44 परिवारों के पास इसी गांव में पहले से हैं मकान

केवल 16 परिवार ऐसे जिनके पास मकान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

नवा रायपुर इलाके के ग्राम नकटी में गरीबों के मकान तोड़ने के मामले को लेकर कांग्रेस के कुछ विधायकों ने वहां बनने वाली विधायक कालोनी में मकान लेने से इनकार कर दिया है, लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि इस योजना की नींव ही कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में रखी गई थी। मकान तोड़ने के मामले में अब ये तथ्य सामने आया है कि वहां वर्ष 2021 में केवल 3 हेक्टेयर क्षेत्र में कच्चे मकान एवं बाड़ी-खहिहान पाए गए थे, लेकिन वर्ष 2023 में यानी दो साल बाद वहां की ▶▶|शेष पेज 6 पर

तीन साल में हुआ ये घटनाक्रम

नकटी मामले में वर्ष 2020 से लेकर 2023 यानी तीन साल के दौरान क्या घटनाक्रम रहा, ये एक बड़ा सवाल है। सबसे पहले 2020 में हाउसिंग बोर्ड ने कलेक्टर रायपुर को नकटी में 15.47 हेक्टेयर भूमि को सामान्य आवासीय योजना के लिए आवंटन की मांग प्रस्तुत की थी। यानी प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय इस योजना की नींव रखी गई थी। इसके बाद भू-अभिलेख की प्रक्रिया प्रारंभ हुई और फिर नायब तहसीलदार द्वारा भूमि आवंटन के संबंध में आपत्ति आमंत्रित कर सार्वजनिक इश्तहार जारी किया गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीएम को पत्र

कांग्रेस के धमतरी विधायक ओंकार साहू और गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद ने नकटी में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी नकटी से अन्यत्र स्थानातंरित करने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि नकटी गांव में पिछले 30-40 साल से रह रहे ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना, एलजी ने दिखाई हरी झंडी

बाबा बर्फानी के जयकारों के साथ रवाना हुए भक्त

4,822	259	670
श्रद्धालु	वाहन	कंपनियां तैनात

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा 2026 के पहले जत्थे को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों के बीच पहला जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। कुल 4,822 श्रद्धालु 259 वाहनों में सवार होकर अमरनाथ गुफा की ओर निकले। ये श्रद्धालु दो मार्गों - पहलगाम और बालटाल के रास्ते यात्रा करेंगे। मनोज सिन्हा श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के चेयरमैन भी हैं. उन्होंने भगवती नगर बेस कैंप पर पहुंचकर यात्रियों से मुलाकात की और उनकी सुरक्षित यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं ने भी व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और यात्रा को लेकर खासा उत्साह दिखाया। इस बार यात्रा के लिए बेहद कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पहलगाम और बालटाल, दोनों ▶▶|शेष पेज 6 पर

57 दिन चलेगी यात्रा

बता दें कि इस बार अमरनाथ यात्रा 57 दिन तक चलेगी। यह 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल, दोनों रास्तों से शुरू होगी और 28 अगस्त को खत्म होगी। इस मौके पर डीजीपी नलिन प्रभात, स्पेशल डीजी एस जे एम गिलानी, जम्मू डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार, आईजीपी जम्मू भीम सेन तुती, आईजीपी सीआरपीएफ अमोल होमकर, आईजीपी ट्रैफिक एम सुलेमान चौधरी, डिप्टी कमिश्नर जम्मू डॉ राकेश मिन्हास मौजूद रहे।

दो मार्ग से यात्रा

श्रद्धालुओं का जत्था बालटाल और पहलगाम बेस कैंप की ओर बढ़ा, जहां से तीर्थयात्री शुक्रवार सुबह 3,880 मीटर ऊंचे अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए आगे की यात्रा आरंभ करेंगे। श्रद्धालु अनंतनाग में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रास्ते या गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे छोटे बालटाल मार्ग से यात्रा कर सकते हैं।

राम मंदिर में लोगों की समृद्धि के लिए प्रार्थना

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को यहां स्थित राम मंदिर में दर्शन किए और लोगों की खुशहाली, कल्याण तथा समृद्धि के लिए प्रार्थना की। जम्मू में स्थित यह सदियों पुराना मंदिर उन साधु-संतों के लिए आश्रय स्थल है, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जाते हैं। पुरानी मंडी क्षेत्र स्थित मंदिर में 400 से अधिक साधु और साध्वियां पहुंच चुके हैं, जो दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यहां एकत्र हुए हैं।

कोतवाली एसीपी के नेतृत्व में पांच सदस्यी टीम गठित

ड्रग क्वीन नव्या मलिक केस की जांच के लिए एसआईटी गठित

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

चर्चित नव्या मलिक ड्रग केस की कोर्ट से अनुमति लेने के बाद नए सिरे से जांच शुरू की गई है। इसके लिए पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर पांच सदस्यी जांच टीम गठित की गई है। जांच के लिए कोतवाली एसीपी दीपक मिश्रा के नेतृत्व में पांच सदस्यी टीम गठित की गई है। टीम में दो टीआई के साथ दो अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है।

पुलिस कमिश्नर के अनुसार नव्या मलिक तथा उनसे जुड़े लोगों के जब्त मोबाइल के सीडीआर निकालकर नए सिरे से जांच की जा रही है। इसके साथ ही उन सभी के बैंक ट्रांजेक्शन तथा ड्रग नेटवर्क से जुड़े अन्य सिंडीकेट के साथ संबंध की जांच की जा रही है। नव्या मलिक तथा उनसे जुड़े लोगों के फॉरेन ट्रिप की जांच करने ईडी ने अलग से केस से संबंधित दस्तावेज देने पुलिस से मांग की थी। ड्रग्स रैकेट के खिलाफ अभियान में पकड़ी गई नव्या मलिक और विधि अग्रवाल रायपुर समेत कई राज्यों में ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क चलाती थीं। पाकिस्तान से ड्रग्स मंगवाकर रईसजादों को सप्लाई की जाती थी। नव्या पेशे से इंटीरियर डिजाइनर है। इन दोनों को पुलिस ने हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया की 23 अगस्त 2025 को गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के आधार पर गिरफ्तार किया था।

पूछताछ में तब खुलासा हुआ कि ड्रग्स तस्करी के हाई-प्रोफाइल केस में नव्या कई हाई प्रोफाइल लोगों के संपर्क में थी। पुलिस को जांच में पता चला कि नव्या और विधि करीब 850 रईसजादों के संपर्क में थी और उनके लिए ड्रग्स सप्लाई होती थी। बताया जा रहा है कि 850 लोगों में से कोई होटल कारोबारी तो कोई बड़े राजनेता का बेटा है।

एसआईटी इन प्रमुख बिंदुओं पर करेगी जांच

- एमडीएमए का मूल स्रोत- ड्रग कहां से लाया गया और इसका मुख्य सप्लायर कौन था।
- पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच- रायपुर, मुंबई और अन्य राज्यों से जुड़े सप्लायर, कुरियर और रिसीवर की पहचान।
- नव्या मलिक और अन्य आरोपियों की भूमिका- ड्रग की खरीद, बिक्री, भंडारण और वितरण में किसकी क्या भूमिका थी।
- मनी ट्रेल की पड़ताल- बैंक खाते, यूपीआई, नकद लेन-देन और ड्रग कारोबार से हुई कमाई की जांच।
- डिजिटल फारेंसिक जांच में मोबाइल फोन, लैपटाप, काल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर), वाट्सएप चैट, इंटरनेट मीडिया और अन्य इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों का विश्लेषण।
- हाईप्रोफाइल पार्टियों का कनेक्शन निजी पार्टियों, क्लबों, पब और कथित टेक्नो पार्टियों में ड्रग की सप्लाई की जांच।
- ड्रग खरीदने वालों की पहचान चार्जशीट में दर्ज नामों सहित अन्य उपभोक्ताओं और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच।
- पुराने मामलों और अंतरराज्यीय कनेक्शन की जांच, क्या इस गिरोह के तार अन्य राज्यों या पुराने एनडीपीएस मामलों से जुड़े हैं।
- संरक्षण और मिलीभगत क्या किसी प्रभावशाली व्यक्ति, कारोबारी या अन्य लोगों ने नेटवर्क को संरक्षण या आर्थिक सहायता दी।

बिजली बिल का विलंब से भुगतान करने पर अब प्रति दिन के हिसाब से लगेगा सरचार्ज

चार हजार के बिल पर एक दिन के लगेंगे 1.60 रुपए, पहले पूरे माह के 60 रुपए लग जाते थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को अब जुलाई के बिजली बिल का विलंब से भुगतान करने पर पूरे माह के स्थान पर प्रतिदिन के हिसाब से सरचार्ज लगेगा। पहले एक दिन का विलंब होने पर भी पूरे माह का सरचार्ज देना पड़ता था, लेकिन अब इस नियम को बदल दिया गया है। इसी के साथ अब एडवांस में बिल जमा करने वालों को थोड़ा सा झटका लगेगा। पहले इसमें 1.25 प्रतिशत की छूट मिलती थी, इसको अब 0.75 प्रतिशत कर दिया गया है। आमतौर पर कोई उपभोक्ता एडवांस में पैसा जमा नहीं करता। पुराने नियमों के मुताबिक यदि कोई उपभोक्ता बिल भुगतान की अंतिम तिथि के बाद महज एक या दो दिन की देरी से भी बिजली बिल का भुगतान करता था, तो उससे पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल लिया जाता था। ऐसे में अगर किसी उपभोक्ता का बिल चार हजार रहता है तो उससे पूरे माह का 60 रुपए लिया जाता है। अब नए नियम के बाद अब विलंब शुल्क की गणना अब प्रतिदिन के हिसाब से होगा। उपभोक्ता का जितने का बिल होगा, उस बिल के हिसाब से अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उपभोक्ता जितने दिन बिल जमा करने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा। एक दिन की देरी पर मामूली शुल्क लगेगा। यदि चार हजार का बिल है तो एक दिन का 1.60 रुपए ही देने पड़ेंगे। इस हिसाब से जितने दिन विलंब होगा, उतने दिनों का पैसा लगेगा। पहले एक साथ एक माह का शुल्क लिया जाता था। अब एक माह का विलंब होने पर 1.2 प्रतिशत के हिसाब से चार हजार पर 48 रुपए ही लगेंगे।

ज्यादा बिल पर मिलेगी बड़ी राहत

नए नियम से उनको ज्यादा फायदा होगा जिनके बिल ज्यादा आते हैं। किसी उपभोक्ता का अगर पचास हजार बिल है तो उनको पहले एक दिन का विलंब होने पर 750 रुपए लग जाते थे लेकिन अब एक दिन के महज 20 रुपए लगेंगे। इसी तरह से जिनका बिल लाखों में रहता है, उनको बड़ी राहत मिलेगी।

केंद्रीय योजनाओं की राशि वेंडरों को देने के बजाय सरकारी खातों में पड़ी रही, समीक्षा से खुलासा

खातों में पैसा, काम और भुगतान दोनों प्रभावित, समीक्षा में उजागर हुई वित्तीय अनियमितता

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर वित्तीय प्रबंधन की एक बड़ी खामी सामने आई है। विभागों की समीक्षा में पाया गया है कि योजनाओं के तहत जारी की गई राशि का बड़ा हिस्सा समय पर वेंडर्स और सेवा प्रदाताओं को भुगतान करने के बजाय विभिन्न शासकीय एजेंसियों और विभागों के खातों में पड़ा हुआ है। इसके बाद वित्त विभाग ने सभी विभागों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने और एसएनए स्पर्श व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

समीक्षा में यह भी सामने आया कि कई विभागों में राशि अंतिम भुगतान तक नहीं पहुंच रही है। जबकि केंद्र सरकार की जस्ट इन टाइम भुगतान प्रणाली का उद्देश्य यही है कि धन केवल वास्तविक भुगतान की आवश्यकता होने पर ही जारी हो और सीधे अंतिम लाभार्थी या वेंडर तक पहुंचे।

वित्त विभाग का मानना है कि जब राशि लंबे समय तक विभागों या क्रियान्वयन एजेंसियों के खातों में पड़ी रहती है तो न केवल सरकारी धन का प्रभावी उपयोग प्रभावित होता है, बल्कि विकास कार्यों की गति और ठेकेदारों तथा सेवा प्रदाताओं को समय पर भुगतान भी प्रभावित होता है।इसी कारण विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे राशि को अनावश्यक रूप से खातों में रखने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के तहत समयबद्ध तरीके से भुगतान सुनिश्चित करें। वित्त विभाग के अनुसार यह स्थिति विभागवार आंकड़ों की समीक्षा के दौरान सामने आई। समीक्षा में पाया गया कि कई विभागों ने धनराशि जारी होने के बाद भी उसे अंतिम भुगतान के लिए उपयोग नहीं किया। वित्त विभाग ने इसे केंद्र सरकार के वित्तीय प्रबंधन मानकों के अनुरूप नहीं माना है और सभी प्रशासनिक विभागों से जवाबदेही तय करने को कहा है।

अब होगी निगरानी

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं में एसएनए स्पर्श और पीएफएमएस प्रणाली का प्रभावी उपयोग किया जाए। इससे यह रीयल-टाइम में पता चल सकेगा कि राशि किस स्तर पर रुकी हुई है और भुगतान में अनावश्यक देरी कहां हो रही है।

क्यों महत्वपूर्ण है मामला

यह केवल लेखांकन का मुद्दा नहीं है। यदि योजनाओं की राशि विभागों या एजेंसियों के खातों में पड़ी रहती है, तो सड़क, भवन, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य विकास कार्यों से जुड़े ठेकेदारों एवं सेवा प्रदाताओं को समय पर भुगतान नहीं मिल पाता। इसका असर परियोजनाओं की गति पर भी पड़ सकता है। यही वजह है कि केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों से पैसा खाते में नहीं, सीधे भुगतान में\\\" की नीति पर जोर दे रही है। छत्तीसगढ़ में वित्त विभाग का ताजा आदेश इसी नीति को प्रभावी ढंग से लागू कराने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

उड़ीसा से मुंबई ले जा रहा था 8.78 लाख का गांजा, रेलवे स्टेशन पर यूपी का अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूतः रायपुर

रेलवे सुरक्षा बल और आबकारी विभाग ने रेलवे स्टेशन पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी के बड़े प्रयास को विफल कर दिया है। टीम ने स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया से एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 8.78 लाख रुपये कीमत का 17.5 किलो से अधिक गांजा बरामद हुआ है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में 1 जुलाई को स्टेशन परिसर में विशेष जांच और निगरानी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित सार्वजनिक शौचालय के पीछे से टीम ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। आरपीएफ पोस्ट रायपुर के प्रभारी निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर ने बताया कि जब टीम ने उसके पास मौजूद एक ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग की तलाशी ली, तो उसमें 14 बंडलों में भरा हुआ कुल 17.570 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 8,78,500 रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले, थाना मेजा, ग्राम बीरपुर निवासी 22 वर्षीय सत्यम सिंह, पिता ज्ञान शंकर गौतम के रूप में हुई है।

कटक से गांजा लेकर पहुंचा था रायपुर

पूछताछ में आरोपी सत्यम ने खुलासा किया कि वह यह मादक पदार्थ उड़ीसा के कटक से लेकर रायपुर पहुंचा था। उसकी योजना यहां से नागपुर होते हुए इस खेप को मुंबई ले जाने की थी, लेकिन अपने मंसूबों में कामयाब होने से पहले ही वह संयुक्त टीम के हत्थे चढ़ गया। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक ए.जेड. चौधरी, उप निरीक्षक दिनेश कुमार वर्मा, प्रधान आरक्षक पी.के. मेश्राम, आरक्षक संदीप गिरी और रायपुर आबकारी विभाग के जिला अधिकारी टैग बहादुर कुर्रे व उनकी टीम की अहम भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी और जब्त गांजे को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दिया गया है। आबकारी विभाग (सिविल लाइन वृत्त) ने आरोपी सत्यम सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B) के तहत अपराध (क्रमांक 97/2026) दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर असिस्टेंट प्रोफेसर से 82 हजार की साइबर ठगी

रायपुर। साइबर जालसाजों ने एक महिला प्रोफेसर को पार्ट टाइम जॉब दिलाने का झांसा देकर उनसे ऑनलाइन जानकारी हासिल कर 82 हजार रुपए की ठगी कर ली। जालसाजों ने प्रोफेसर को दस्तावेज ब्लाक कराने तथा 70 हजार रुपए चालान का भय दिखाकर ठगी का शिकार बनाया है। महिला प्रोफेसर की शिकायत पर कोतवाली पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। धनेली स्थित रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर टैगोर नगर निवासी भूमिका मिश्रा ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया है कि 28 जून को घर बैठे गूगल पर पार्ट टाइम डाटा एंट्री जॉब तलाशते हुए क्विकर वेबसाइट पर आवेदन किया था। आवेदन के कुछ देर बाद एक मोबाइल नंबर से कॉल और फिर व्हाट्सएप पर संदेश आया। ठग ने दावा किया कि कॉल रिसीव नहीं करने के कारण उनके दस्तावेज और कार्ड पांच साल के लिए ब्लॉक कर दिए जाएंगे तथा 70 हजार रुपए का चालान भरना पड़ेगा। महिला प्रोफेसर को झांसे में लेने के बाद जालसाजों ने उनके अकाउंट से अलग-अलग किस्तों में रकम ट्रांसफर कराकर ठगी का शिकार बनाया।

पीडीएस संघ की कई मांगें पूरी, हड़ताल वापस ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उचित मूल्य की दुकानों के संचालक 5 जुलाई से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने वाले थे, जिसे अब स्थगित कर दिया है। संघ के पदाधिकारियों और विभाग के अधिकारियों के बीच दो दिन से चल बातचीत के बाद संघ की कई मांगों को पूरा कर दिया गया है। इसमें बारदाना से लेकर एनएफएसए एवं नमक पूरक पोषण का कमीशन भी है, जिसका भुगतान पिछले कई साल एवं महीनों से नहीं किया जा रहा था। संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने बताया कि मार्जिन राशि बढ़ाने सहित अन्य कुछ मांगों को भी जल्द पूरा करने का आश्वासन मिला है।

■ पीडीएस संघ एवं विभागीय अधिकारियों के बीच बैठक रही सफल

नमक पूरक पोषण 5 साल से, बारदाना का एक साल से अटका था कमीशन- पीडीएस संघ के अध्यक्ष ने बताया कि बारदाना का कमीशन पिछले एक साल से अटका हुआ था, वहीं नमक पूरक पोषण का कमीशन वर्ष 2021 से नहीं मिला है। इसी प्रकार एनएफएसए चावल का कमीशन भी पिछले कुछ महीनों से अटका हुआ था। कमीशन नहीं मिलने के कारण दुकानदारों को आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि पिछले कई साल से अपनी मांगों को लेकर कई साल से लड़ाई लड़ रहे थे, लेकिन उनकी मांगे पूरी नहीं हो रही थी। इसे देखते हुए आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए 5 जुलाई से हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी। हालांकि विभाग इस बार उनकी मांगों को लेकर न केवल गंभीरता दिखाई, बल्कि कई मांगों को पूरा भी किया है। उन्होंने बताया कि 9 सूत्रीय मांगों को लेकर उनके द्वारा हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी, जिसमें से लगभग आधी मांगों को पूरा कर दिया है।

कमीशन की राशि जारी, एक सप्ताह में दुकानदारों के खाते में आएगी- उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम सिद्धिकी, उप सचिव विभोर अग्रवाल, अपर संचालक नीलम एल्मा की उपस्थिति में नया रायपुर में संघ के प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई। इस बैठक में अधिकारियों ने बताया कि रुकी हुई कमीशन की राशि को जारी कर दिया है, साथ ही सप्ताहभर के अंदर सभी दुकानदारों को यह राशि ट्रांसफर हो जाएगी।

राशिफल

मेष आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

यूएसटीआर के एआई आधारित एलिफेंट एप को मिली वैश्विक पहचान

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में एआई एलीफेंट अलर्ट ऐप तथा थर्मल ड्रोन आधारित हाथी निगरानी प्रणाली को विश्व की प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी पत्रिका एमआईटी टेक्नोलॉजी रीव्यू अमेरिका में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है। इस लेख में मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए एआई आधारित थर्मल इमेजिंग तथा रियल-टाइम सामुदायिक चेतावनी प्रणाली के अभिनव उपयोग की सराहना की गई है।

लेख में उल्लेख किया गया है कि यूएसटीआर के घने जंगल में, जहां रात्रि के समय या कठिन भू-भाग में हाथियों की निगरानी चुनौतीपूर्ण होती है, वहां इन्फ्रारेड (थर्मल) सेंसर से युक्त ड्रोन का उपयोग किया जाता है। ये ड्रोन हाथियों की गतिविधियों का पता लगाते हैं, जिसके बाद

प्रशिक्षित ड्रोन ऑपरेटर एआई एलीफेंट अलर्ट ऐप के माध्यम से वन अमले एवं आसपास के ग्रामीणों को एसएमएस, फोन कॉल एवं व्हाट्सएप द्वारा 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में तत्काल चेतावनी संदेश भेजते हैं। इससे मानव-हाथी संघर्ष की घटना को रोकने तथा जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

एमआईटी टेक्नोलॉजी रीव्यू की स्थापना अमेरिका में वर्ष 1899 में मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा की गई है। यह विश्व की सबसे प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी पत्रिकाओं में से एक है, जो एआई, जलवायु प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा तथा उभरती वैज्ञानिक तकनीकों पर उच्च गुणवत्ता वाली शोधपरक एवं विश्लेषणात्मक रिपोर्ट प्रकाशित करती है। विश्वभर में नवाचारों और तकनीकी उपलब्धियों को पहचान दिलाने में इस पत्रिका की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की इस अभिनव पहल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान छत्तीसगढ़ की तकनीक-संचालित वन्यजीव संरक्षण रणनीति की सफलता का प्रतीक है। इससे भविष्य में भी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए वन्यजीव संरक्षण, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व तथा स्थानीय समुदायों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय

एमआईटी टेक्नोलॉजी रीव्यू में प्रकाशित होना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण तथा मानव सुरक्षा के क्षेत्र में हमारे प्रयास वैश्विक स्तर पर भी एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभर रहे हैं।

– **वरुण जैन,** डिप्टी डायरेक्टर, यूएसटीआर

शब्द पहेली - 6275

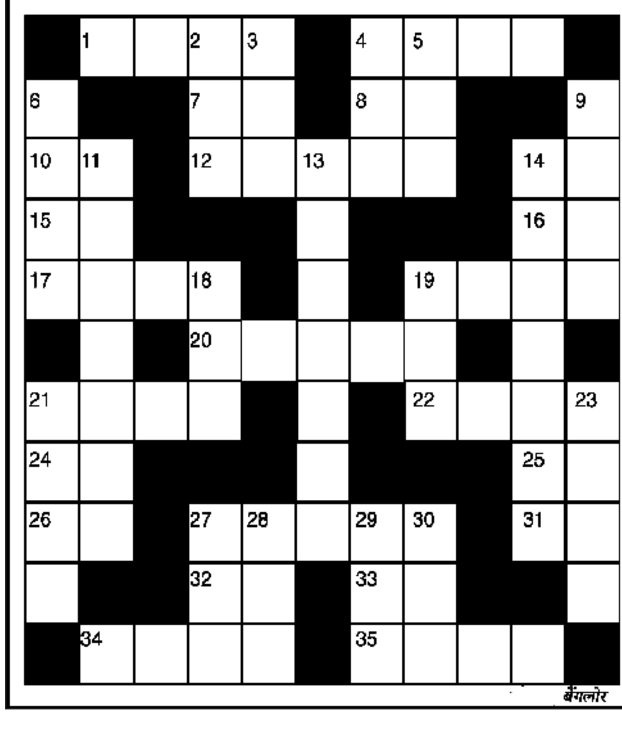

बैंगलोर

बाएँ से दाए-

1.एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4.दान देने वाला-4
7.सवारी गाड़ी-2
8.संख्या, रत्न-2
10.जाप, मंत्र पाठ-2
12.आक्रमणकारी-5
14.अपशिष्ट पदार्थ-2
15.दिन, प्रहार-2
16.भीगा हुआ-2
17.शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19.कीमती-4
20.आलसी, निष्ठाहीन-5
21.जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22.गारंटी, मुचलका-4
24.रिश्तेदार-2
25.शेर, नाहर-2
26.पिटाई, चोट-2
27.निम्नता, न्यूनता-5
31.परिणाम, निष्कर्ष-2
32.महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33.मूल, कंद-2
34.उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

ऊपर से नीचे

2.सवेरा, भोर-3
3.सांभर जैसा आहार -3
4.दैत्य, असुर-3
5.शहर-3
6.तरुण, जवान-4
9.एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11.ईश्वर, रब-7
13.डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14.भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18.अधीन-3
19.निवेदन, प्रार्थना-3
21.असमतल-4
23.धमाका, सनसनी-4
27.करिश्मा-3
28.बारीक-3
29.कपड़े धोनेवाला-3
30.पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6274 का हल

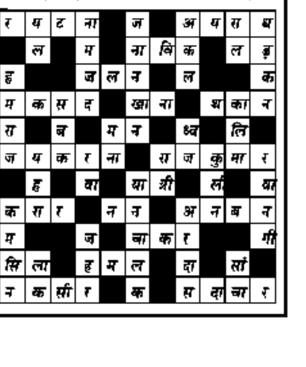

सूडोकु नवताल - 6285

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6284 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

बिलासपुर

शुक्रवार 3 जुलाई 2026

आषाढ़, कृष्ण पक्ष चतुर्थी

वर्ष : 26, अंक : 102

पृष्ठ : 10+6 =16 मूल्य : 4 .00***

मौसम

अधि. 33.3

न्यून. 26.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दूध, दही, लस्सी, रबड़ी, फ्लेवर मिल्क मिल्क केक, पेड़ा है मुख्य उत्पाद

सरकारी बैठकों, कार्यक्रमों और शासकीय उपयोग में अब चलेगा देवभोग ब्रांड, दूध और मिल्क प्रोडक्ट परोसे जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में अब सरकारी बैठकों, कार्यक्रमों और शासकीय उपयोग में देवभोग ब्रांड के दूध एवं दुग्ध उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्य सचिव कार्यालय ने इस संबंध में सभी विभागों को निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुपालन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों को आदेश जारी कर मुख्य सचिव के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा 2 जुलाई को जारी आदेश में विभाग के संचालक, राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों तथा सभी नगरीय निकायों के आयुक्त एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुरूप कार्यवाही करें।

निजी कंपनियों के ब्रांड का उपयोग नहीं करने के हैं निर्देश

ये हैं देवभोग के प्रमुख उत्पाद

नगरीय प्रशासन विभाग ने आदेश की प्रति नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय, राज्य शहरी विकास अभिकरण तथा प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को भेजते हुए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (देवभोग) केवल पैकेट दूध ही नहीं, बल्कि कई प्रकार के दुग्ध उत्पाद भी बनाता है। इनमें प्रमुख उत्पाद हैं टोंड दूध, स्टैंडर्ड दूध, फुल क्रीम दूध, डबल टोंड दूध, दही, लस्सी, छाछ, श्रीखंड, पनीर, मक्खन, घी, खोवा (मावा) रबड़ी, फ्लेवर मिल्क, मिल्क केक, पेड़ा।

देवभोग के मिल्क प्रोडक्ट ही लेना है, निजी नहीं

आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित द्वारा उत्पादित देवभोग ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का सीधे क्रय किया जाएगा। सरकारी स्तर पर यह निर्णय राज्य के सहकारी दुग्ध क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे विभिन्न सरकारी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अन्य शासकीय आयोजनों में निजी ब्रांडों के बजाय देवभोग उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ को संस्थागत बाजार भी उपलब्ध होगा और स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलने की संभावना है।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155
airtel चैनल न. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

भारत, जापान ने संबंधों को मजबूत करने के लिए की कई महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा

जापान की साझेदारी से देश में लगेंगे 1000 फर्टिलाइजर प्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत-जापान ने गुरुवार को अपनी व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को एक कदम और आगे बढ़ाया। उन्होंने सहयोग के लिए एक मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए। आपसी और वैश्विक सहयोग को और गहरा करने के अपने संकल्प को दोहराया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत-जापान कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) इनीशिएटिव का ऐलान किया है। इस पहल के जरिये भारत 1000 बायोगैस और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर प्लांट लगाने में मदद मिलेगी। इससे भारत की गोबर-धन पहल को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह देश के ग्रामीण इलाकों में समृद्धि का रास्ता खोलेगा।

खास खबर

भारत और जापान ने गुरुवार आर्थिक साझेदारी ढांचा एवं सैन्य उपकरणों को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए एक रक्षा समझौते समेत कई महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की उनकी समकक्ष सनाए तकाइची के बीच हुई शिखर वार्ता के बाद इन कदमों की घोषणा की गई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए जिनमें आर्थिक सुरक्षा पर एक घोषणा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक संयुक्त वक्तव्य और ऊर्जा आपूर्ति शृंखला में सहयोग को मजबूत करने के वास्ते एक समझौता शामिल है। दोनों पक्षों ने जहाज निर्माण और विमानन के क्षेत्र में सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक रूपरेखा को भी अंतिम ▶▶|शेष पेज 6 पर

नौसेना की और बढ़ेगी ताकत

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में पहले संयुक्त विकास परियोजना के संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, नौसेना के रेडियो एंटेना के लिए यह परियोजना हमारे रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी में एक नया अध्याय खोलेगी। अब हम मिलकर रक्षा तकनीकों का विकास करेंगे, जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करेंगी। दोनों पक्षों ने फार्मा, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भी समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

» भारत-जापान बैटरी ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी में सहयोग बढ़ाएंगे

» मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन में 88 हजार करोड़ जापानी निवेश

भारत-जापान में डॉलर के बिना व्यापार की तैयारी

भारत और जापान व्यापार में अमेरिकी डॉलर की भूमिका कम करने की तैयारी कर रहे हैं। निक्की एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रहे हैं, जिससे कारोबार का भुगतान सीधे भारतीय रुपए और जापानी येन में हो सके। अगर भारत और जापान के बीच भुगतान से जुड़ा ये प्रस्ताव लागू होता है तो दोनों देशों के बीच पहली बार स्थानीय मुद्रा में व्यापार को लेकर औपचारिक व्यवस्था बनेगी।

भारत-जापान के बीच 129 समझौतों का ऐलान

भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम में 129 समझौता ज्ञापनों का ऐलान किया गया। इन समझौतों का मकसद दोनों देशों के बीच निवेश, उद्योग, मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक, कौशल विकास और सप्लाई चेन सहयोग को मजबूत करना है। इसके साथ ही, भारत में 2 ट्रिलियन जापानी येन (1.18 लाख करोड़ रुपए) से अधिक के भारी निवेश की घोषणा की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और जापान ने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की एक सूची पर भी सहमति जताई। मोदी ने भारत-जापान संबंधों की मजबूती और उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला।

एसीबी की कार्रवाई, बाबू गिरफ्तार

जीपीएफ का पैसा निकालने मांगी 10 हजार की रिश्वत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एसीबी ने जल संसाधन विद्युत यांत्रिकी के एक बाबू ने दस हजार रुपए का रिश्वत लेते रंगे हाथों गुरुवार को पकड़ा है। एसीबी की टीम को देख विभाग में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक सहायक ग्रेड-2 शिव कुमार ठाकुर ने पदस्थ कर्मी नंदकुमार ने अपने बेटे की शादी के लिए भविष्य निधि खाते से 5 लाख रुपए निकालने के लिए आवेदन किया था। इसके एवज में शिव कुमार ठाकुर ने उससे 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की। रिश्वत की मांग से परेशान कर्मी शिकायत एसीबी के टीम को दी। ट्रैप शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने प्लान के तहत पहुंची थी। शिकायतकर्ता ने आरोपी बाबू को 10 हजार रुपए जैसे दिया टीम ने उसे रंगे हाथो पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि भी जब्त की गई। रायपुर से पहुंची एसीबी की टीम ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

बाबू शिव कुमार से पूछताछ की जा रही है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आरोपी को दुर्ग स्थित सर्किट हाउस लाया गया है। जहां से आवश्यक दस्तावेज कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया।

खबर संक्षेप

फिल्म उद्योग में ड्रग्स तस्करी, दो गिरफ्तार

कोच्चि। फिल्म उद्योग में काम करने वाले लोगों को कथित रूप से

मादक पदार्थ की आपूर्ति करने वाले दो तस्करों को केरल के कोच्चि में चेरानल्लूर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चेरानल्लूर निवासी अमल जॉर्ज (33) और वडक्केकरा निवासी अभिजीत (25) के रूप में हुई है।

किराए के कमरे में पुरुष एवं महिला मृत पाए गए

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में किराए के एक कमरे में 38 वर्षीय पुरुष और 24 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। सदर बाजार थाने को बुधवार रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि एसबीआई कॉलोनी में तिरंगा चौक के पास किराए के आवास में रहने वाले एक व्यक्ति ने कमरे को अंदर से बंद कर लिया है और बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं दे रहा। यादव ने कहा, जब पुलिस मौके पर पहुंची।

गोदाम में कप सिरप की 8000 शीशियां बरामद

बहराइच। बहराइच जिले में औषधि विभाग और पुलिस की

संयुक्त टीम ने एक दवा कारोबारी के अवैध गोदाम पर छापेमारी करकोडीनयुक्त कफ सिरप की 8,000 से अधिक शीशियां बरामद की हैं। मामले में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गोपनीय सूचना के आधार पर अवैध गोदाम पर छापेमारी की।

बाड़ का तार ठीक करते समय करंट से दो मरे

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक खेत में लगे बाड़ में बिजली की तार की मरम्मत के दौरान करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना सतरिख थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव की है। सतरिख थाना प्रभारी डी. के. सिंह ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम की है। मोहिउद्दीनपुर गांव निवासी शिवम (26) और बब्लू (36) एक खेत में लगे बाड़ में बिजली के तार की मरम्मत कर रहे थे कि तभी वे गलती से हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गए।

पुणे हत्याकांड में पॉलीग्राफ टेस्ट की तैयारी

सिया-चेतन का 'सच से सामना कराएगी' पुलिस

एजेंसी ▶▶| पुणे

पुणे हत्याकांड मामले में एक अहम मोड़ आया है। लोनावला ग्रामीण पुलिस व्यवसायी केतन अग्रवाल की हत्या के आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी का पॉलीग्राफ परीक्षण कराने के लिए अदालत से अनुमति लेने की तैयारी कर रही है। क्योंकि जांचकर्ताओं का मानना है कि अपराध से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य अभी भी छिपाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अधिकारियों के अनुसार, पुलिस सिया गोयल को पुणे में उस जगह ले गई, जहां उसने और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर केतन अग्रवाल को चट्टान से नीचे धकेलने की रिहर्सल की थी। लोनावला ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ के दौरान कथित तौर पर महत्वपूर्ण जानकारी छुपाई है।

सिया के पुराने वीडियो में क्या है?

सिया गोयल का एक पुराना वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें वह एक पब में फोन पर गाली-गलौज करती हुई दिखाई दे रही है। माना जा रहा है कि यह वीडियो दिसंबर 2025 में रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें कथित तौर पर सिया को एक पब के अंदर दिखाया गया है, जहां वह बीयर की बोतल जैसी दिखने वाली चीज पकड़े हुए है और फोन पर बात कर रही है। बातचीत के दौरान, उसे अपशब्दों का प्रयोग करते हुए और यह कहते हुए सुना गया, "पहले उसने मुझे धोखा दिया, फिर उसने मुझे फोन किया।

पुलिस ने चेतन की चाल का किया विश्लेषण

सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी पर पुणे के पास लोहागढ़ किले में एक चट्टान से धक्का देकर उसके मंगेतर केतन अग्रवाल की हत्या करने का आरोप है। जांच के तहत, पुलिस ने मंगलवार और बुधवार को किले में घटनास्थल का पुनर्निर्माण किया। जांचकर्ताओं ने चौधरी की चाल का विश्लेषण भी किया ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या वह वही व्यक्ति था जिसने हुडी पहनी हुई थी और जिसे कथित हत्या से कुछ समय पहले केतन और सिया का पीछा करते हुए देखा गया था।

मंत्री पुरी का दावा

पेट्रोलियम कंपनियों को 74781 करोड़ का घाटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई उछाल से सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विपणन कंपनियों को 30 जून तक की अवधि में 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पेट्रोलियम कंपनियां अब भी उस कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर रही हैं जिसे पश्चिम एशिया संकट के चरम होने के दौरान खरीदा गया था।

कीमतों की कटौती पर कही यह बात

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती के सवाल पर पुरी ने कहा कि यदि अगले कुछ सप्ताह तक कच्चे तेल की कीमतें निचले स्तर पर बनी रहती हैं, तो यह एक उचित सवाल होगा। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने को लेकर सहमति बनने के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आनी शुरू हुई है।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हताहत होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ़ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. गिरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी ज़िले में बेंगलुरु दक्षिणी ज़िले की सीमा से सटे मडापट्टना में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची।

किसी का सिर फूटा, किसी के हाथ-पैर टूटे

मृतक के परिजनों को 10-10 लाख

भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवज़ा मिल सके। वह इसके लिए सहमत हो गया है।

कर्ज चुकाने गया था मजदूर

एक मृतक मजदूर के परिजन ने बताया कि परिवार बेटियों की शादी के बाद हुए कर्ज को चुकाने के लिए बेंगलुरु में मजदूरी कर रहा था। इकलौते कमाने वाले सदस्य की मौत के बाद परिजन ने मुआवजे और पुनर्वास की मांग की है। कर्नाटक के सीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में हादसे की वजह ब्लास्टिंग नहीं, बल्कि चट्टान खिसकना या मिट्टी धंसना सामने आई है। वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा। भविष्य में ऐसे हादसे रोकने के लिए नए सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

नई योजना में 15 हजार से अधिक वेतन पर अंशदान स्वैच्छिक

ईपीएफ में 1800 रुपए से अधिक का अंशदान नहीं रहा अनिवार्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने नई कर्मचारी भविष्य निधि योजना-2026 के तहत 15,000 रुपये मासिक वेतन सीमा से ऊपर के अंशदान को स्वैच्छिक कर दिया है। 1,800 रुपए से अधिक का अंशदान करना अब अनिवार्य नहीं होगा। नई ईपीएफ योजना के मुताबिक, किसी सदस्य के लिए देय अंशदान केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित वेतन सीमा के अधीन होगा। यदि किसी सदस्य का मासिक वेतन निर्धारित वेतन सीमा से अधिक है तो नियोक्ता और कर्मचारी दोनों का अंशदान केवल 'वेतन सीमा' के आधार पर देय अंशदान तक ही सीमित रहेगा। जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत उच्च वेतन पर अंशदान की अनुमति दी गई है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक हिस्से पर भी पेंशन कोष में योगदान कर सकता है।

2014 में थी इतनी अधिकतम सीमा

वर्ष 2014 में संशोधन के बाद कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में नियोक्ता का 8.33 प्रतिशत योगदान 15,000 रुपए की वेतन सीमा (यानी अधिकतम 1,250 रुपए प्रति माह) तक सीमित कर दिया गया था, जबकि उससे अधिक राशि ईपीएफ खाते में चली जाती थी।

नई योजना में क्या?: नई ईपीएफ योजना में यह प्रावधान भी है कि जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत उच्च वेतन पर योगदान की अनुमति है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक राशि पेंशन कोष में जमा कर सकता है। इस बदलाव के बाद कर्मचारी और नियोक्ता दोनों के पास यह विकल्प होगा कि वे वेतन सीमा तक ही अंशदान करें या वास्तविक अधिक वेतन पर स्वेच्छा से अधिक योगदान करें। हालांकि, भविष्य निधि अंशदान में इस बदलाव पर श्रम मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है।

डिजिटल अनुपालन के साथ समय पर निपटारा

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन संचालित नई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष जोर रहेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026, कर्मचारी पेंशन योजना, 2026 और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना, 2026 को अधिसूचित कर दिया है। मंत्रालय ने नई योजनाओं में ईपीएफओ अधिकारियों द्वारा भविष्य निधि निकासी, पेंशन तथा समूह बीमा संबंधी दावों का 20 दिन के भीतर निपटान नहीं करने पर 12 प्रतिशत की दर से वार्षिक दंडात्मक ब्याज का सख्त प्रावधान किया है।

चिंतन

बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे भारत-जापान संबंध

इंडो-पैसिफिक में अमेरिका की घटती रुचि और एक तरह से चीन को क्षेत्र की महाशक्ति के रूप में स्वीकार करने के बाद भारत और जापान के लिए जरूरी हो गया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की संयुक्त आर्थिक मंच में मौजूदगी इस बात का प्रतीक है कि दोनों देश केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान नहीं खोज रहे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और तकनीक-संचालित एशिया की नींव रखने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही भारत-जापान संबंधों का अगला चरण केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दोनों देशों को निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच भी गहरे सहयोग को बढ़ावा देना होगा। जापान रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और हरित प्रौद्योगिकी में विश्व अग्रणी है, जबकि भारत डिजिटल नवाचार, सॉफ्टवेयर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तेजी से उभरती शक्ति है। यदि इन दोनों की क्षमताओं का समन्वय होता है तो यह केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं को ही नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को नई दिशा दे सकता है। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण, दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) की आपूर्ति, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी, हरित हाइड्रोजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में संयुक्त निवेश भविष्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा तय करेगा। भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और कुशल मानव संसाधन के कारण नेक्स्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देखा जा रहा है, जबकि जापान की तकनीकी विश्वसनीयता इस परिवर्तन को गति दे सकती है। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में एक मजबूत और विश्वसनीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर सकती है। साथ ही, दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क को भी प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय छात्रों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए जापान में अवसर बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर जापानी कंपनियों को भारत के युवा और कुशल कार्यबल से लाभ मिल सकता है। आज दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां मित्रता का मूल्य केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि साझा निवेश, साझा तकनीक और साझा भविष्य से तय होगा। भारत और जापान इसी दिशा में आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर समयबद्ध क्रियान्वयन तक पहुंचता है, तो आने वाले दशक में भारत-जापान संबंध केवल द्विपक्षीय सफलता की कहानी नहीं होंगे, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था के सबसे प्रभावशाली स्तंभों में शामिल होंगे। यह साझेदारी वास्तव में विश्वास से विकास और साझेदारी से समृद्धि का ऐसा मॉडल बन सकती है, जिसकी आवश्यकता आज पूरे विश्व को है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थिर रवैये ने दुनियाभर में उसकी स्थिति को कमजोर किया है। ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देश अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार कर रहे हैं। पूरी दुनिया के रिश्ते एक नए मोड़ पर खड़े हैं। इससे नई साझेदारियां बनेंगी और पुरानी साझेदारियां नया रूप लेंगी। ऐसे में भारत-जापान संबंध भी ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह दुनिया में नए बदलाव का जरिया भी बन सकते हैं। कुल मिलाकर अब दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है और सबको एक-दूसरे की जरूरत है। मिलकर चलना ही सबके हित में है।

पड़ोस
कांतिलाल मांडोत

पाक से रिश्तों की बहाली की नई कवायद

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट श्रृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। जब भारत-पाक संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट श्रृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। पहली नजर में यह पहल शांति और सद्भाव की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन जब भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों की नीति अपनाई है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया। चाहे 1972 का शिमला समझौता हो, 1999 की लाहौर बस यात्रा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2015 में अचानक लाहौर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिलना, भारत ने हर बार यह संदेश दिया कि विवादों का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए। दुर्भाग्य यह रहा कि हर बार पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद ने इन प्रयासों को कमजोर किया। पाक का इतिहास यह बताता है कि उसने मित्रता के हर प्रयास के समानांतर आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का साधन बनाए रखा। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर संसद पर हमला, मुंबई का 26/11 हमला, पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों तक पाकिस्तान की भूमिका लगातार सवालों के घेरे में रही है। भारत ने कई बार ठोस सबूत भी प्रस्तुत किए, लेकिन पाकिस्तान ने या तो उन्हें नकार दिया या फिर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने से बचता रहा।

ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत किसी भी नए संवाद प्रस्ताव को केवल भावनात्मक आधार पर स्वीकार नहीं कर सकता। वर्तमान परिस्थितियों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। महंगाई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और ऊर्जा संकट ने वहां की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। हाल के वर्षों में जल संकट भी पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के लिए भारत के साथ व्यापार और संबंधों की बहाली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि आर्थिक मजबूरी का अर्थ यह नहीं कि पाकिस्तान की नीतियों में स्थायी परिवर्तन आ गया है। यदि आतंकवाद को समर्थन देने की उसकी सोच में बदलाव नहीं आता तो केवल व्यापार या परिवहन सेवाएं शुरू कर देने से स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई भी महाशक्ति केवल मानवीय आधार पर हस्तक्षेप नहीं करती। हर देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका

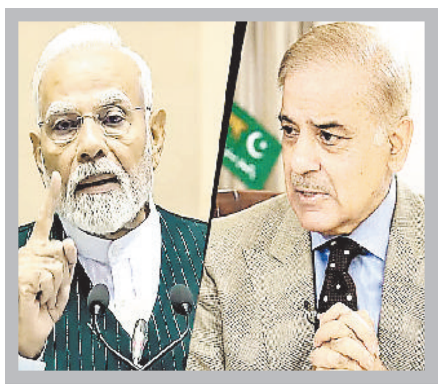

लंबे समय से यह चाहता रहा है कि पाकिस्तान पूरी तरह चीन के प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी अमेरिका के लिए चिंता का विषय रही है।

ऐसे में यदि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद को बढ़ावा देता है तो उसके पीछे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने और पाकिस्तान को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने की रणनीति भी हो सकती है। ट्रम्प यदि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों की बहाली का श्रेय लेना चाहते हैं तो यह उनकी राजनीतिक और रणनीतिक सोच का हिस्सा हो सकता है। लेकिन भारत को किसी भी बाहरी दबाव या अंतरराष्ट्रीय छवि के कारण अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करना चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत यही रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद के ढांचे को समाप्त करने, सीमा पार घुसपैठ रोकने और भारत विरोधी गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम नहीं उठाता, तो केवल वार्ता के नाम पर आगे बढ़ना उचित नहीं होगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न विश्वास का है। विश्वास केवल शब्दों से नहीं बल्कि व्यवहार से बनता है। पाकिस्तान ने अतीत में अनेक बार आश्वासन दिए, लेकिन उसके बाद भी आतंकी घटनाएं होती रहीं। जब तक वह अपने आचरण से यह साबित नहीं करता कि उसने आतंकवाद को स्थायी रूप से त्याग दिया है, तब तक किसी भी व्यापक संबंध बहाली का आधार कमजोर ही रहेगा। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ने से कट्टरता कम होगी और शांति को मजबूती मिलेगी। यह विचार सिद्धांत रूप में आकर्षक लगता है, लेकिन व्यवहार में इसकी सफलता तभी संभव है, जब दोनों पक्ष समान ईमानदारी के साथ आगे बढ़ें। यदि एक देश शांति की बात करे और दूसरा आतंकवाद को संरक्षण देता रहे तो ऐसे प्रयास अंततः विफल हो जाते हैं। इसलिए भारत को किसी भी नई पहल से पहले स्पष्ट शर्त रखनी चाहिए कि आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत ने हमेशा मानवीय मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। चाहे कैदियों की रिहाई का विषय हो, धार्मिक यात्राओं की सुविधा हो या प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता का प्रश्न, भारत ने उदारता दिखाई है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर किसी प्रकार की ढिलाई उचित नहीं हो सकती। भारत आज विश्व की तेजी से उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है।

ऐसे समय में उसे भावनात्मक निर्णयों के बजाय दूरदर्शी और यथार्थवादी नीति अपनानी होगी। यदि पाकिस्तान वास्तव में संबंध सुधारना चाहता है तो उसे केवल संवाद की अपील करने के बजाय आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करके अपनी नीयत साबित करनी होगी। यही वह कसौटी है जिस पर भविष्य के किसी भी संबंध की सफलता निर्भर करेगी। अंततः भारत शांति का समर्थक है, लेकिन शांति की कीमत राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं हो सकती। मित्रता वहीं टिकाऊ होती है जहां विश्वास, पारदर्शिता और ईमानदारी हो। पाकिस्तान का अब तक का इतिहास इन तीनों मानकों पर संतोषजनक नहीं रहा है। इसलिए भारत को हर प्रस्ताव का स्वागत खुले मन से अवश्य करना चाहिए, लेकिन निर्णय केवल अपने राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा और दीर्घकालिक रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। यदि पाकिस्तान अपने व्यवहार में वास्तविक परिवर्तन लाता है तो दक्षिण एशिया में स्थायी शांति का मार्ग अवश्य प्रशस्त हो सकता है। यदि अतीत की गलतियां दोहराई जाती हैं तो इतिहास एक बार फिर यह सिद्ध करेगा कि केवल संवाद की इच्छा पर्याप्त नहीं होती, उसके लिए भरोसेमंद आचरण भी उतना ही आवश्यक होता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मुद्दा
ओपी पाल

क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी था, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है, बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला एक सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का एक बेहद सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है। दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में एक व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और साक्ष्य-आधारित दस्तावेज है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएं अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा इस जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इनमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज का कथन है कि ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल 'बैठक में जुटी भीड़' या 'हाजिरी रजिस्टर' नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

स्वयं के धर्म की चिंता

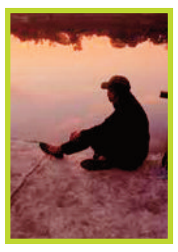

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छू को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छू को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! यह बिच्छू तुम्हें बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हें ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा है अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा है और मैं मेरा।

अंतर्मन

आज की पाती

खतरनाक गर्मी का बढ़ता संकट

दुनिया के शहरों पर एक ऐसा संकट तेजी से गहराता जा रहा है, जो दिखाई कम देता है, लेकिन असर सबसे ज्यादा करता है-खतरनाक गर्मी। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक शहरी इलाकों में अत्यधिक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में लगभग 700 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले शहरी भविष्य की भयावह तस्वीर है, खासकर ग्लोबल साउथ, यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए। गर्मी का यह संकट सीधे तौर पर क्लाइमेट चेंज और अनियोजित शहरीकरण से जुड़ा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और धातु की अधिकता प्राकृतिक हरियाली को खत्म कर देती है। इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

- सुभाष साहू, बलौदाबाजार

ट्रेंड

इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 7,145 करोड़ रुपये की लागत वाले कानपुर-कबरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह फैसला भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की दिशा में एक और अहम कदम है।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

नई संभावनाएं

यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। पहली बार, राज्य से ताजी चेरी और आलूबुखारे की खेप ओमान पहुँची है। ओमान में हिमाचल के फलों को मिली सराहना ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं।

-सुखविंदर सिंह सुक्खू, सीएम, हिमाचल प्रदेश

अत्यंत दुखद

बेंगलुरु में मदापट्टना की पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे में बिहार के प्रवासी मजदूर भाइयों के असामय निधन की खबर अत्यंत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को उनके पवित्र चरणों में स्थान मिले।

- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

सत्ता का गलत इस्तेमाल

बीजेपी अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल करके बीजेपी-शासित राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का खराब माहौल बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है। जनता इस नकारात्मक व्यवहार से बेहद आक्रोशित है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना समाप्त

ऑस्ट्रेलिया का वित्तीय वर्ष एक जुलाई को समाप्त हो गया और इसी के साथ 'राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना' भी समाप्त हो गई, जिसके तहत देश भर में 35,000 से ज्यादा किफायती किराए के घर उपलब्ध कराए गए थे। यह योजना 2008 में रड सरकार ने घरों के महंगे होते जाने की समस्या के मद्देनजर शुरू की थी। लेकिन बाद में 2014 में एबॉट सरकार ने इसे बंद कर दिया और 2016 के बाद किसी भी नए घर को इसके तहत मंजूरी नहीं दी गई। इस जून में, आखिरी 3,600 संपत्तियां भी इस योजना के दायरे से बाहर हो गई हैं। आखिरकार, इस योजना ने अपने कुछ मुख्य वादे पूरे किए। इसने

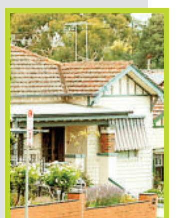

काफी कम समय में किफायती किराए के घरों की आपूर्ति बढ़ाई और ऐसे घर बनाए जो इसके बिना नहीं बन पाते। लेकिन इसके आलोचक भी रहे हैं, जिन्होंने इसे लागू करने के तरीके और इसके नतीजों में कई कमियां गिनाईं। तो, पीछे मुड़कर देखें तो इस अनुभव से हम क्या सीख सकते हैं? और क्या सरकार ने इस योजना के बंद होने से आई रिक्तता को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया है? हाशिये पर रह रहे समूह के लिए सस्ता किराया इस योजना के तहत डेवलपर्स को किफायती किराये के घर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया।

ऑफ बीट

काम करते हुए क्या अंडर डेस्क ट्रेडमिल फायदेमंद है

हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 67 लाख से अधिक लोग-यानी लगभग आधे कर्मचारी-कम से कम कुछ समय के लिए घर से काम करते हैं। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा में यह संख्या सबसे अधिक है। घर से काम बढ़ने के साथ लंबे समय तक बैठने की आदत भी बढ़ी है, जिसे अब स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है। दफ्तर जाकर काम करने पर रोजमर्रा की गतिविधियां-जैसे चलना, खड़े रहना, सहकर्मियों से मिलने जाना या बाहर लंच लेने जाना-अपने आप हो जाती हैं, लेकिन घर से काम करते समय यह कम हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या काम के दौरान अंडर-डेस्क ट्रेडमिल या वॉकिंग पैड का इस्तेमाल कर चलना फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से चलने से रक्तचाप और ग्लूकोज सहनशीलता जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होता है। हालिया शोध में प्रतिदिन करीब 7,000 कदम चलने को कई बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त लक्ष्य बताया गया है। शोध यह भी बताते हैं कि लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे-छोटे अंतराल में बार-बार चलना या हल्की गतिविधि करना एक बार में लंबी सैर से अधिक लाभकारी हो सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

राजधानी कीव पर भीषण मिसाइल व ड्रोन हमला, 17 की मौत

कीव। रूस ने बृहस्पतिवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए। हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का 'प्रतिशोध' बताया है। यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है। बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

रूस ने दागीं 74 मिसाइलें, 496 ड्रोन

यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए। इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया। उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

अयोध्या बार एसोसिएशन ने थाना प्रभारी राम जन्मभूमि को सौंपा शिकायती पत्र

'चंपत को बचाया जा रहा, गिरफ्तारी हो' अयोध्या के वकीलों ने किया बड़ा प्रदर्शन

राम मंदिर दान चोरी मामला : पुलिस और वकीलों के बीच हुई धक्का-मुक्की

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित दान राशि चोरी मामले को लेकर अधिवक्ताओं का विरोध तेज हो गया है। अयोध्या बार एसोसिएशन के वकीलों ने अपना ज्ञापन थाना प्रभारी राम जन्मभूमि को सौंपकर राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और विशेष सदस्य गोपाल राव पर भी मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मामले के जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर ली है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

राम मंदिर दान मामले को लेकर अयोध्या में वकीलों का विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया, जब सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता कचहरी परिसर से जुलूस निकालकर राम पथ की ओर बढ़े. इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी वकीलों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। कुछ जगहों पर पुलिस और वकीलों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शन कर रहे वकील थाना राम जन्मभूमि पहुंचकर राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग कर रहे थे। वकील और पुलिस बल में गहमागहमी के बीच लॉयर्स का एक 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल थाना राम जन्मभूमि पहुंचा और संबंधित ट्रस्ट पदाधिकारियों के खिलाफ तहरीर सौंपी। इसके बाद प्रदर्शनकारी वकीलों ने फिलहाल अपना आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने कहा कि 'आंदोलन खत्म नहीं हुआ है, केवल स्थगित किया गया है।' उन्होंने चेतावनी दी कि 'अगर तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।'

'चंपत और अनिल ने फंसाया' टिन्नू के भाई का बड़ा आरोप

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपी राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के भाई दिनेश यादव ने पहली बार मीडिया के सामने बयान दिया। दिनेश ने चंपत राय और अनिल मिश्रा पर अपने भाई को फंसाने का सीधा आरोप लगाया है। दिनेश ने टिन्नू को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए कहा कि बड़े पदाधिकारी खुद को बचाने के लिए उसे मोहरा बना रहे हैं। दिनेश ने कहा कि उनका भाई पिछले 20 सालों से चंपत राय के साथ काम कर रहा था। टिन्नू का स्वभाव बहुत अच्छा है और उस पर कोई मुकदमा नहीं है। दिनेश ने आरोप लगाया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा ने मामले से पल्ला झाड़ लिया है। बड़े लोग खुद बचने के लिए टिन्नू को फंसा रहे हैं क्योंकि दान पेटी की एक चाबी टिन्नू और दूसरी बैंक कर्मियों के पास होती थी।

मेरे साथ विश्वासघात हुआ : चंपत

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी चंपत राय ने अपने कुछ करीबी सहयोगियों से कहा है कि उनकी 'अयोध्या में सेवा पूरी हो गई है' और वह कथित राम मंदिर दान गबन विवाद से जुड़े 'कलंक' के साथ नहीं रहेंगे। सूत्रों ने कहा कि वे फिलहाल एकांतवास में रह रहे राय ने यह भी कहा कि उनके साथ 'विश्वासघात' हुआ है। हालांकि यह साफ नहीं हुआ कि उनका इशारा किसकी ओर था। यह घटनाक्रम राम मंदिर के दान में कथित गबन के विवाद और ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की वकीलों के एक वर्ग की मांग के बीच आया है।

6 जुलाई को बैठक में तय होगा भविष्य

सूत्रों ने कहा कि राय और उनके साथ ही ट्रस्ट में अपने पद से इस्तीफा दे चुके अनिल मिश्रा का भविष्य छह जुलाई को अयोध्या में होने वाली श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में दो-तिहाई बहुमत से तय होने की संभावना है। बैठक में ट्रस्ट प्रबंधन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर खासकर पिछले महीने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल की सिफारिशों के बारे में चर्चा होने की उम्मीद है।

संगठन में बदलाव से नाराज सांसद तिवारी छोड़ने जा रहे कांग्रेस!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस में छिड़ी रार

पंजाब कांग्रेस को संगठनात्मक फेरबदल के बाद बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान की ओर से गठित की गईं चुनावी समितियों से चंडीगढ़ के मौजूदा सांसद मनीष तिवारी को बाहर रखा गया है। इस पर मनीष तिवारी की नाराजगी खुलकर बाहर आई है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। मनीष तिवारी ने साफ तौर पर कहा है कि उन्होंने अपनी जिंदगी के 45 साल इस पार्टी को दिए हैं, लेकिन आज कुछ लोगों की असुरक्षा की भावना के कारण ऐसा फैसला लिया गया है। उनके इस बयान के बाद पंजाब से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। चर्चाएं हैं कि मनीष तिवारी पार्टी छोड़ सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए पंजाब में यह बड़ा झटका होगा।

एक्स पर तिवारी का पोस्ट

मनीष तिवारी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया , 'हुनर होना अपने आप में बड़ा अवगुण है। काश मेरे पास लोगों की असुरक्षा खत्म करने का कोई तरीका होता! फिर भी, कांग्रेस ने मुझे पिछले 45 साल में बहुत कुछ दिया है और मैंने दशकों से अपना जीवन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सेवा में समर्पित किया।' जो होगा सो होगा।.

अब आगे क्या करेगी कांग्रेस?

पंजाब से कांग्रेस सांसद अमर सिंह से जब इसे लेकर सवाल किया तो उनका कहना था कि मनीष तिवारी अच्छे वक्ता हैं। ये उनके और पार्टी आलाकमान के बीच का मामला है। वो पार्टी के खिलाफ नहीं हैं। क्या पता आगे उन्हें कोई जिम्मेदारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जो भी नाराज है उसे कांग्रेस आलाकमान से बात करना चाहिए। आलाकमान ने सबको सुन कर फैसला लिया और ठीक फैसला लिया है।

'विभाजन के बाद भारत आए लोग शरणार्थी नहीं'

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आने वाले लोगों को शरणार्थी कहना सही नहीं है। वे 'संघर्ष के योद्धा' थे, जिन्होंने कई पीढ़ियों की बनाई जमीन, कारोबार और संपत्ति छोड़कर भारत को चुना। उन्होंने कहा कि ये लोग इसलिए भारत आए, क्योंकि यहां बिना डर अपने धर्म का पालन कर सकते थे। भारत को एक रखने की लड़ाई हम सब हार गए थे, लेकिन उन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा। भागवत ने नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कहीं।

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL — LIC HOUSING FINANCE LTD
प्रथम तल, भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय, मगरपारा रोड, बिलासपुर - 495001 (छ.ग.) फ़ोन: 07752-418136

परिशिष्ट– IV नियम 8 (1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का अधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्थियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों का ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋण ग्रहित राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋण ग्रहित और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋण ग्रहित को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग लि. बिलासपुर प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	खातेदार का नाम	संपत्ति विवरण	मांग सूचना / कब्जा तिथि	उल्लेखित राशि मांग सूचना पत्र में
1)	उधारकर्ता- श्री त्रिलोकचंद मिरी, सह-उधारकर्ता- श्रीमती कांति मिरी, ऋण खाता संख्या 120200005999/ 120200006361	खसरा नं. 1485/18 शामिल है (बी1/पी II के अनुसार खसरा नं. 1485/34), प.ह. नं. 4, ग्राम चांपा, कैलाश नगर, विकासखंड बाम्हनीडीह, आरएनएम चांपा, वार्ड नंबर 17, रेलवे कॉलोनी वार्ड (PIL रोड), तहसील चांपा, जांजगीर चांपा (छ.ग.) 495671 में क्षेत्रफल 1308 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश। सीमाएँ: उत्तर - सड़क, दक्षिण - श्री ओम प्रकाश देवांगन की भूमि, पूर्व - विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि।	13.11.2025 / 30.06.2026	रू 14,87,656.00 + ब्याज व अन्य खर्च

वैधानिक सूचना: ऋणी एवं जमानतदार को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।

दिनांक: 03.07.2026, स्थान: बिलासपुर — प्राधिकृत अधिकारी

नाव पलटने से छह पर्यटकों की मौत, तीन लोग लापता

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक झील में नाव पलटने से एक ही परिवार के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सदस्य लापता हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा अपर स्वात जिले की कलाम घाटी स्थित सैफुल्ला झील में हुआ। सैफुल्ला झील एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। पुलिस के अनुसार, झील में सैर के दौरान नाव में सवार सभी नौ यात्री एक ही परिवार के सदस्य थे। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद 'रेस्क्यू 1122 स्वात' की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

सूचना

ग्राम पंचायत महारानीपुर (देऊरपारा) बेलडांड़ के किसानों द्वारा शिकायत किया गया है, जिसमें लाईनमेन चन्द्रकुमार सिदार के द्वारा कार्यालय वितरण केन्द्र राजापुर में पदस्थ रहने के दौरान सिंचाई हेतु विद्युत कनेक्शन एवं ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर 7000.00 रुपये एवं उससे अधिक की राशि लिया गया है, इसकी शिकायत की गई थी, जिसकी जांच करने पर चन्द्रकुमार सिदार परि0 श्रे0-1(ला.) के द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ग्राम- महारानीपुर (देऊरपारा एवं चिड़ापारा) के ग्रामीणों से कृषि पंप कनेक्शन के नाम पर अवैध राशि की वसुली किया जाना सही पाया गया है। तथा कार्यवाही करते हुए कार्यपालन यंत्री (सं/स) संभाग अम्बिकापुर के द्वारा चन्द्रकुमार सिदार परि0 श्रे0-1 (ला.) को अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन कर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर बलरामपुर वितरण केन्द्र में पदस्थ किया गया है।

कार्यपालन यंत्री (सं/स) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि. अंबिकापुर

12वीं कंपार्टमेंट की तारीख बदली अब 28 जुलाई को एग्जाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ ही 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सीबीएसई की तरफ से घोषित कार्यक्रम के अनुसार 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम की तारीख में बदलाव किया गया है। अब 12वीं का कंपार्टमेंट एग्जाम 28 जुलाई को होगा। पहले 15 जुलाई को सीबीएसई 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम प्रस्तावित था। सीबीएसई ने आवेदन पोर्टल शुरू कर दिया है। कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए स्टूडेंट्स 8 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं, कंपार्टमेंट एग्जाम की तारीख में हुए बदलाव से स्टूडेंट्स नाराज हैं।

सीबीएसई ने जारी किया नया शेड्यूल, अब 8 जुलाई तक मिलेगा रजिस्ट्रेशन का मौका

संगम पोर्टल के जरिए होगा आवेदन

सीबीएसई ने 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए स्कूलों को एलओसी जमा करने का निर्देश दिया है। इसके लिए 8 जुलाई तक का समय दिया गया है। 8 जुलाई रात 11:59 बजे तक एलओसी जमा कराई जा सकती है। हालांकि, स्टूडेंट्स व्यक्तिगत स्तर पर भी आवेदन कर सकते हैं।

कंपार्टमेंट एग्जाम की फीस

कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए निर्धारित फीस की बात करें तो भारत के स्टूडेंट्स के लिए 300 रुपये फीस निर्धारित है। वहीं, नेपाल के स्टूडेंट्स के लिए 1100 रुपये और भारत से बाहर के देशों के स्टूडेंट्स के लिए 2200 रुपये फीस निर्धारित है। दृष्टिबाधित स्टूडेंट्स को एग्जाम फीस से छूट दी गई है।

कौन कर सकता है आवेदन

सीबीएसई 12वीं कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए चुनिंदा स्टूडेंट्स ही आवेदन कर सकते हैं। निर्देशों के अनुसार, इस साल 12वीं की परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स एक विषय में मार्क्स इम्प्रूव करने के लिए कंपार्टमेंट एग्जाम दे सकते हैं। वहीं, एक विषय में फेल स्टूडेंट्स भी पास होने के लिए कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही 2025 में कंपार्टमेंट वाले स्टूडेंट्स भी कंपार्टमेंट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA DISTT - RAIGARH (C.G)

Notice Inviting tender 3rd Call

No./654/NIT/2026-27 — GHARGHODA Dated 30/06/2026

Chief Municipal Officer invites Online Tenders on behalf of Nagar Panchayat GHARGHODA for providing labour (C.G. Contract labour Act 1690 & 1969) in Percentage Rate in form A from Eligible class Registered contractors in "Unified Registration System e-Registration" PWD Chhattisgarh/Registered firms and their undertaking on UADD website https://eproc.cgstate.gov.in

System Tender No.	Name of work	Estimated cost (in Lacs)	Earnest Money Deposit	Tender Form Fees	Time Period of Completion
194536	Comstruction of B.T. Road in Ward No. 07 Suraj Sharma house to Raja Badhai house and Kailash Mishra house to Hemlal	Rs 13,39	Rs.10100/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	750/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	Construction Period - 06 month (from the date of Work Order) including rainy season
194541	Construction of B.T. Road in Ward No. 13 Atal Parisar to Vikash Sharma house.	15.93	Rs.12000/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	750/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	Period - 06 month (from the date of Work Order) including rainy season
194544	Construction of B.T. Road in Ward No. 14 Sani Tample To Mata Tample, Jayant Panda house.	Rs 16.24	Rs.12200/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	750/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	Period - 06 month (from the date of Work Order) including rainy season
194549	Revamping of Matreial Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of GHARGHODA Chhattisgarh	Rs 32.64 (Sor-27.59) (Non Sor-5.05)	Rs.16400/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	10000/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	Construction Period - 06 month (from the date of Work Order) including rainy season Trail run 03 Months.
194556	Construction of. a Cultural Hall for Kanwar Community in Nagar Panchayat Gharghoda (1st Call)	Rs 25.00	Rs.18800/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	750/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	Period - 12 month (from the date of Work Order) including rainy season

Chief Muncipal Officer
NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA

बिना ऑर्डर के गिराईं 80 झुग्गियां, 5 अधिकारी सस्पेंड

सूरत। गुजरात के सूरत नगर निगम ने नासिरनगर इलाके में करीब 80 झुग्गियों को 'रहस्यमयी' तरीके से गिराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने अपने पांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। कुछ दिन पहले ही निगम ने इस डिमोलिशन में अपनी किसी भी भूमिका से साफ इनकार किया था। बताया गया कि 30 मई को हुई इस घटना की जांच के लिए इंटरनल कमेटी बनाई गई थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर अब इन अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। एसएमसी की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने पहले कहा था कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, निगम के अधिकारी वहां सिर्फ रोड डिमार्केशन के लिए गए थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः 20-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांकः 23/06/2026

कार्य का नामः "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर डिवीजन में सरोना और कुम्हारी यार्ड में चौथी लाइन के निर्माण के लिए 2x25 के.वी., 50 हर्ट्ज ए.सी., सिंगल फेज ओ.एच.ई. विद्युतीकरण का काम एवं सरोना व कुम्हारी स्टेशन पर पी.आई. को ई. आई से बदलने से जुड़े बॉन्डिंग और अर्थिंग आदि का काम। **निविदा मूल्यः रू. 6,58,85,012.12** (छः करोड़ अन्ठावन लाख पचासी हजार बारह रूपये और बारह पैसे) मात्र। **बयाना राशिः रू. 13,17,700/-** (तेरह लाख सतरह हजार सात सौ रूपये मात्र)। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 20-07-2026** को 15:30 बजे। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांकः 20-07-2026** को 15:45 बजे। **कार्य पूर्णता की अवधिः 12** (बारह माह) एल.ओ.ए. जारी होने के तारीख के बाद से। **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः** उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/ देख सकते हैं।

सहा. कार्य. विद्युत अभियंता(निर्माण)
सीपीआर/10/247 — द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

बच्चो, इन दिनों सबसे पॉपुलर खेलों में से एक फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से हो रहा है। 11 जून से शुरू हुआ फीफा वर्ल्ड कप 19 जुलाई को समाप्त होगा। क्या तुम जानते हो कि फुटबॉल की शुरुआत कैसे हुई, यह वर्तमान स्वरूप में कैसे पहुंचा? यहां हम इनके बारे में तुम्हें बता रहे हैं। साथ ही फुटबॉल के महान खिलाड़ियों और इससे जुड़े कुछ रोचक फैक्ट्स के बारे में भी जानकारी दे रहे हैं।

जोश-जुनून से भरपूर रोमांचक खेल फुटबॉल

स्पोर्ट्स नॉलेज
शिखर चंद जैन

बच्चो, फुटबॉल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में एक है। इसे 'द ब्यूटीफुल गेम' भी कहा जाता है। अधिकतर देशों में लोग फुटबॉल बड़े चाव से खेलते हैं। इन दिनों फुटबॉल की चर्चा इसलिए भी हर तरफ हो रही है, क्योंकि बीते 11 जून से फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। अरबों लोग इस खेल टूर्नामेंट को टीवी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देख रहे हैं। तुम भी अलग-अलग देशों की फुटबॉल टीमों के रोमांचक मुकाबले देख रहे होगे। हालांकि आज का आधुनिक फुटबॉल खेल हमेशा से ऐसा नहीं था। यह खेल हजारों वर्षों में कई बदलावों से गुजरकर अपने वर्तमान स्वरूप तक पहुंचा है।

प्राचीन काल में हुई शुरुआत: फुटबॉल की शुरुआत लगभग 2,000 साल पहले चीन में खेले जाने वाले 'सु-जू' नामक खेल से मानी जाती है। इसमें खिलाड़ी चमड़े की गेंद को बांस के खंभों के बीच लगे जाल में पहुंचाने की कोशिश करते थे। इसके अलावा प्राचीन ग्रीस और रोम में भी गेंद से खेले जाने वाले कई खेल प्रचलित थे, जिन्हें आधुनिक फुटबॉल का शुरुआती रूप माना जाता है।

फुटबॉल जैसा खेल सु-जू

ऐसे हुई वर्तमान स्वरूप की शुरुआत: आधुनिक फुटबॉल की नींव इंग्लैंड में रखी गई। अक्टूबर 1863 को लंदन में फुटबॉल क्लबों की बैठक हुई, जहां पहली बार इस खेल के आधिकारिक नियम तैयार किए गए। इसी बैठक के बाद 'फुटबॉल एसोसिएशन' की स्थापना हुई। पहले खिलाड़ी हाथ और पैर दोनों से खेलते थे। लेकिन नए नियमों में तय किया गया कि गेंद को मुख्य रूप से पैरों से खेला जाएगा। यहीं से फुटबॉल खेल के वर्तमान स्वरूप की शुरुआत मानी जाती है। बाद में वर्ष 1904 में फीफा की स्थापना हुई, जो आज दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल का संचालन और नियम तय करने वाली सर्वोच्च संस्था है।

फुटबॉल से जुड़े आविष्कार: फुटबॉल का आविष्कार किसी एक व्यक्ति ने नहीं किया, बल्कि यह समय के साथ विकसित हुआ। हालांकि कुछ लोगों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। चार्ल्स गुडईयर ने 1855 में पहली रबर की फुटबॉल तैयार की। इससे पहले गेंद जानवरों के ब्लैडर से बनाई जाती थी, जो ज्यादा टिकाऊ नहीं होती थी। फुटबॉल के शुरुआती नियमों और इस खेल की संरचना को विकसित-व्यवस्थित करने में इंग्लैंड के कई फुटबॉल क्लबों एवं इस खेल से जुड़े प्रशासकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रॉबर्ट एबट ने फुटबॉल के गोल पोस्ट और इससे संबंधित कई महत्वपूर्ण नियमों को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। *

विश्व के महान फुटबॉल-प्लेयर्स

पेले: ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले को 'किंग ऑफ फुटबॉल' और 'ब्लैक पर्ल' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 1,000 से अधिक गोल किए। वे ब्राजील को तीन बार फीफा विश्व कप जिताने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं।

डिएगो मैराडोना: अर्जेंटीना के खिलाड़ी डिएगो मैराडोना भी एक महान फुटबॉलर थे। उनका 'सदी का सबसे शानदार गोल' आज भी याद किया जाता है। फुटबॉल खेलने के दौरान उनकी ड्रिबलिंग अद्भुत थी।

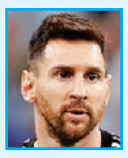

लियोनेल मेसी: मेसी को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने कई व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स बनाए। 2022 में अर्जेंटीना को फुटबॉल विश्व कप जिताने में मेसी का महत्वपूर्ण योगदान था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो: पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपनी फिटनेस, रफ्तार और हवा में ऊंची छलांग लगाकर हेडर मारने के लिए मशहूर हैं। वे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

जिनेदिन जिदान: फ्रांस के महान मिडफील्डर जिनेदिन जिदान अपनी शानदार तकनीक, बेहतरीन पासिंग और खेल की समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हें 'मैदान का जादूगर' कहा जाता था।

इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स और रिकॉर्ड्स

फुटबॉलर हाकन शुकुर (व्हाइट जर्सी में)

सबसे तेज गोल: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड तुर्की के हाकन शुकुर के नाम है। 2002 फीफा विश्व कप में तुर्की के हाकन शुकुर ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच शुरू होने के सिर्फ 10.8 सेकेंड बाद गोल कर इतिहास रच दिया।

सबसे ज्यादा बार वर्ल्ड कप विजेता: ब्राजील ने अब तक सबसे ज्यादा 5 बार फीफा विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की है।

सबसे ज्यादा दर्शक: 1950 विश्व कप के ब्राजील और उरुग्वे के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले को रियो डी जेनेरियो के माराकाना स्टेडियम में अब तक के सबसे ज्यादा लगभग दो लाख दर्शकों ने प्रत्यक्ष देखा था।

छोटी कहानी
रवि प्रकाश

किताब का जादू

कबीर कक्षा सात का एक ऐसा छात्र था, जिसे लोग 'नोटिस' ही नहीं करते थे। वह न पढ़ाई में सबसे आगे था, न खेलकूद में। उसे लगता- इस बड़े से स्कूल की भीड़ में वह एक खोया हुआ बच्चा है। जब शिक्षक कोई सवाल पूछते, जवाब पता होते हुए भी कबीर अपना हाथ नहीं उठाता। उसे डर लगता था कि कहीं सब बच्चे उस पर हंस न दें।

एक दिन बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी। खेल का मैदान पानी से लबालब भरा था। कबीर स्कूल के पुस्तकालय के एक शांत कोने में जाकर बैठ गया। खिड़की पर बूंदें 'टप-टप' गिर रही थीं। अंदर पुरानी किताबों की एक सोंधी-सी महक फैली थी।

एआई इमेज

तभी उसकी नजर रैक के सबसे नीचे दबी एक फटी जिल्द वाली किताब पर पड़ी। उसने उसे बाहर निकाला। किताब का शीर्षक था- 'हौसलों की उड़ानः जिन्होंने दुनिया बदल दी।'

कबीर ने किताब पढ़ना शुरू किया। उसने पढ़ा कि महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन को बचपन में 'मंदबुद्धि' कहकर स्कूल से निकाल दिया गया था। कबीर ने इस किताब में यह भी पढ़ा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन एक नहीं दर्जनों बार चुनाव हारे थे। किताब के बीचों-बीच एक अनमोल वचन लिखा था- 'सूरज की तरह चमकने के लिए, पहले उसकी तरह जलना पड़ता है।' इस एक कथन ने कबीर के भीतर जैसे आत्मविश्वास का कोई सोता खोल दिया। उसे समझ में आ गया- प्रतिभा जन्म से नहीं, जिज्ञासा और मेहनत से आती है। उसने वह किताब पुस्तकालय से जारी करवाई और किसी खजाने की तरह संभालकर घर ले गया।

अब उसका खाली समय फोन या टीवी पर नहीं, प्रयोग करने में बीतने लगा। उसने अपने गांव का गंदा तालाब देखा और एक 'कम लागत वाला जल शोधक' (लो कॉस्ट वाटर फिल्टर) बनाने की ठान ली। घर के स्टोर रूम से पाइप, कोयला, कंकड़ और रेत इकट्ठा किया। कई बार पानी साफ नहीं हुआ। कई बार पाइप टूट गया और कमरे में कीचड़ फैल गया, लेकिन कबीर हारा नहीं, रुका नहीं। जब तब वह इस जादुई किताब के पन्ने पलटते रहता। बहुत कुछ जानता-सीखता। इनके आधार पर प्रयोग करता।

विज्ञान प्रदर्शनी के दिन कबीर का स्टाल सबसे पीछे था। बड़े-बड़े स्कूलों के बच्चे अपने महंगे-महंगे साइंटिफिक मॉडल लेकर आए थे। लेकिन जब निर्णायकों ने कबीर के साधारण से फिल्टर से गंदे नाले का पानी कांच जैसा साफ होते देखा-वे दंग रह गए।

जब बेस्ट इनोवेटर का पुरस्कार कबीर के नाम घोषित हुआ, तो मंच पर जाते समय उसका सिर गर्व से ऊंचा था। प्रिंसिपल ने पूछा, 'कबीर, यह प्रेरणा तुम्हें कहां से मिली?'

कबीर मुस्कुराया और बोला, 'सर, मुझे एक जादू की छड़ी मिल गई थी, जो पुस्तकालय की अलमारी में बरसों से मेरा इंतजार कर रही थी, उसी से कुछ कर दिखाने की प्रेरणा मिली।'

***सीखः** अच्छी किताबें केवल छपे अक्षर नहीं होतीं, वे बंद मस्तिष्क के ताले खोलने की चाबियां होती हैं। एक सही किताब हमारी जिंदगी की दिशा बदल देती है।* *

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

सरल-सरस-मनोरंजक बाल कविताएं

कविताएं केवल मनोरंजन ही नहीं करें, गुदगुदाएं भी तो कहने क्या! कुछ इसी तरह का आनंद तुम्हें बाल साहित्यकार डॉ. सुरेश अवस्थी द्वारा रचित बाल कविताओं का संकलन 'बच्चों की फुलवारी' पढ़कर मिलेगा। इस संकलन में छोटी-बड़ी कुल 22 रोचक-मनोरंजक कविताएं हैं। संकलन की पहली कविता 'चूहे' बड़ी मजेदार है, इसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे घर में उधम मचाते हुए चूहे पानी से भरे घड़े में गिर जाते हैं, पापाजी की अलमारी से नोट उड़ा ले जाते हैं, लेकिन बिल्ली को आता हुआ देखकर अपनी जान बचाते हुए भागकर बिल में छिप जाते हैं। एक कविता में तुम पढ़ोगे कि बंदर मामा नकली पंडित बनकर ब्याह कराने तो बड़े मजे से आते हैं, लेकिन मंत्र न पढ़ पाने के कारण उन्हें हंसी का पात्र बनकर भागना पड़ता है। 'जलेबी' कविता में तो जलेबी को अन्य कई मिठाइयों की रिश्तेदार बताया गया है। उसे इमरती की बहन, रसगुल्ले की चाची, काला जाम की बुआ बताते हुए नरम-रसभरी कहा गया है। 'मेला' कविता में रंग-बिरंगे गुब्बारे हैं, लड्डू-पेड़ा है, झूलों और खेल-खिलौनों का संसार है। 'बूढ़ी दादी' कविता में एक बच्चा पहले दादी से पके बाल, पिचके गाल और दांत न होने की बातें पूछता है फिर बड़े प्यार से 'करवा दो तुम मेरी शादी, बूढ़ी दादी-बूढ़ी दादी' कहकर कविता में रस घोल देता है। 'मेरी कलम', 'आई रेल', 'गुड़िया की ससुराल', 'रोज सवेरे', 'तितली' और 'छम-छम नाचे वर्षा रानी' जैसी कविताएं इतनी सरल हैं कि पढ़ते-पढ़ते ही तुम्हें याद हो जाएंगी। कौआ और लोमड़ी की कहानी को भी कवि ने कविता में ढालकर फिर से कौए को मूर्ख और लोमड़ी को चालाक बताया है। 'हमारा स्कूल', 'लट्टू' और 'मेरा घोड़ा' जैसी संग्रह की छोटी-छोटी कविताएं भी बहुत प्यारी हैं। *

किताब: बच्चों की फुलवारी (बाल कविता संग्रह), **लेखक:** डॉ. सुरेश अवस्थी, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** ईरा पब्लिशर्स, कानपुर

जीके क्विज-212

1. फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?
3. हाल ही में किसे एक बार फिर से भारत का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है?
4. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
5. भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?
6. सहारा मरुस्थल किस महाद्वीप में स्थित है?
7. यूक्रेन की राजधानी कहां है?
8. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहां स्थित है?
9. मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (ग्लैंड)कौन-सी है?
10. कंप्यूटर का आविष्कार किसने किया था?

बच्चों, जीके क्विज-212 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-211 का उत्तर : 1.बिहू पेपा, 2.स्मृति मंधाना, 3.ओम बिरला, 4.फुटबॉल, 5.मुंबई, 6. 5 वर्ष, 7.पोखरण (राजस्थान), 8.बहादुर शाह 'जफर', 9.सिक्किम, 10.जापान

जीके क्विज-211 का सही उत्तर देने वाले : संकेत-रायपुर, सुगंधा-बिलासपुर, कृष्णा-रोहतक, भारती-दुर्ग, जिया शिया-रायगढ़, कबीर-हिसार, अभिनीत-ईमेल से, सुमन-महासमुंद, कुशाग्र-दुर्ग, हर्षित-बलौदा बाजार, शिवम-रोहतक

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

रहस्यमयी ढोल

कमलापुर गांव में एक बहुत पुराना विशाल बरगद का वृक्ष था। एक दिन अचानक इस वृक्ष से ढोल की आवाजें आने लगीं। गांव वाले दहशत में आ गए कि बरगद के वृक्ष पर जिन्नों का डेरा हो गया है, वही ढोल बजाते हैं। लेकिन मुकुल को यह बात बड़ी अजीब-सी लगी। उसने इस रहस्य का सच सामने लाकर दम लिया।

एआई इमेज

कमलापुर गांव के बाहरी हिस्से में एक बहुत विशाल और पुराना बरगद का वृक्ष था। गांव के लोग उसे एक पवित्र वृक्ष मानते थे। इस वृक्ष के नीचे अपने धार्मिक अनुष्ठान और मांगलिक कार्य किया करते थे। लेकिन पिछले कुछ दिनों से उस वृक्ष को लेकर पूरे गांव में अफवाह फैल गई थी कि वृक्ष पर जिन्न रहने लगे हैं। लोगों ने डर के मारे उस तरफ जाना ही छोड़ दिया।

हुआ यह था कि एक रात गांव में बहुत तेज आंधी आई, इस आंधी में अचानक बरगद के वृक्ष की ओर से जोर-जोर से ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। अगले दिन पूरे गांव में अफवाह फैल गई कि रात में उस वृक्ष पर 'जिन्नों' का कब्जा हो गया है। वे रात में ढोल बजाकर नाच रहे थे, इसीलिए भयंकर आंधी आई थी।

अगली रात कुछ किसान खेतों में रखवाली कर रहे थे कि अचानक फिर ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। किसान घबराकर घर भाग आए। अब तो जितने मुंह उतनी बातें। लोगों ने डर के कारण उधर बरगद के वृक्ष के पास जाना छोड़ दिया। गांव के बच्चे डर के मारे शाम होते ही घरों में दुबक जाते थे।

उसी गांव में चौदह साल का मुकुल रहता था। मुकुल को विज्ञान की किताबें पढ़ना बहुत पसंद था। वह हर बात के पीछे का कारण जानने की कोशिश करता था। उसे 'जिन्न' वाली बात पर बिल्कुल विश्वास नहीं हुआ। उसने अपने विज्ञान के शिक्षक से सीखा था कि भूत-प्रेत-जिन्न सिर्फ भ्रम और अंधविश्वास होते हैं, असलियत में इनका कोई वजूद नहीं होता।

एक दिन वह अपने दोस्तों के साथ बैठा था, तभी राजू ने बताया, 'गांव के लोग वहां एक विशाल यज्ञ करवाने की सोच रहे हैं, ताकि उन जिन्नों को भगाया जा सके।'

'यह तो सरासर अंधविश्वास है, पैसों की बर्बादी भी! जब भूत-प्रेत और जिन्न होते ही नहीं, तो उन्हें भगाने के लिए यज्ञ कैसा? हम सब विज्ञान के छात्र हैं, हमें ऐसी दकियानूसी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।' मुकुल अपनी बात पर जोर देते हुए बोला।

'अगर जिन्न नहीं होते, तो फिर रात के सन्नाटे में ढोल कौन बजाता है?' पिंटू ने उसकी बात काटते हुए पूछा।

'अगर तुम लोग मेरा साथ दो, तो आज रात इस रहस्य का पता लगाया जा सकता है।' मुकुल बोला।

पहले तो राजू और पिंटू डर के मारे तैयार नहीं हुए, लेकिन मुकुल के हौसला बढ़ाने पर वे सब शाम को अंधेरा होने पर बरगद के वृक्ष की ओर चल दिए। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। इसी के साथ बरगद के पेड़ से 'ढम-ढम ढमाक-ढम' की डरावनी आवाजें गूंजने लगीं।

'भागो! जिन्न आ गए!' राजू और पिंटू डर कर भागने लगे।

लेकिन मुकुल अपनी जगह पर खड़ा रहा। उसने राजू और पिंटू को रोका। मुकुल ने अपनी टॉर्च की रोशनी को बरगद की ऊंची डालियों की तरफ घुमाया। वहां का नजारा देख वह खिलखिलाकर हंस पड़ा फिर आवाज लगाई, 'दोस्तों! भागो मत, मैंने जिन्न को पकड़ लिया है!'

राजू और पिंटू ने सहमते हुए मुकुल की तरफ देखा। बरगद की एक मोटी और झुकी हुई डाल के बीच में एक बड़ा-सा ढोल फंसा हुआ था। जब-जब तेज हवा चलती, तो बरगद की एक दूसरी सूखी और भारी टहनी हवा के दबाव से उस ढोल से टकरातीं, जिससे 'ढम-ढम' की आवाज आ रही थी। दिन के शोर-शराबे में यह आवाज दूर तक नहीं जाती थी, लेकिन रात के सन्नाटे में बहुत भयानक लग रही थी।

मुकुल ने पास पड़ी एक लंबी लकड़ी की मदद से उस ढोल को डाल से नीचे गिरा दिया। उसे रोकने के लिए कोई जिन्न सामने नहीं आया। जिन्न का रहस्य तो खुल गया, लेकिन अब बड़ा सवाल यह था कि आखिर यह ढोल इतनी ऊंची डाल पर पहुंचा कैसे?

मुकुल ने जब ढोल को उलट-पुलट कर देखा। उस पर लाल रंग से लिखा था 'गोपाल कीर्तन मंडली, गांव-लक्ष्मीनगर' और नीचे एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। मुकुल ने तुरंत अपनी जेब से मोबाइल निकाला और उस नंबर पर फोन लगा दिया। फोन लक्ष्मीनगर के गोपाल जी ने उठाया। मुकुल ने जब उनसे बरगद के पेड़ वाले ढोल के बारे में पूछा, तो गोपाल जी चौंक गए और फिर राहत की सांस लेते हुए बोले, 'बेटा! बहुत-बहुत धन्यवाद। पांच दिन पहले हम सपरिवार उसी पेड़ के नीचे अपने पोते का मुंडन कराने आए थे। वहां हमने भजन-कीर्तन भी किया था। कीर्तन के बाद जब सब खाना खाने बैठे, तो छोटे बच्चे ढोल को जोर-जोर से पीटकर ऊधम मचाने लगे। ढोल कहीं फट न जाए, इसलिए एक रिश्तेदार ने उसे ऊपर बरगद के वृक्ष की एक ऊंची डाल के बीच में छिपाकर टांग दिया था। शाम को लौटते समय हम लोग ढोल वहीं भूल आए थे। कल आकर उसे ले लूंगा।' जिन्न का रहस्य खुल चुका था। पिंटू ने उस ढोल को अपने गले में टांग लिया और उसे जोर-जोर से बजाते हुए तीनों दोस्त गांव की ओर लौट पड़े। ढोल की आवाजें करीब आती देख गांव वाले बुरी तरह से घबरा गए, लेकिन बाद में असलियत जान सभी ने राहत की सांस ली और अपने आप पर हंसे भी। मुकुल की बुद्धिमानी ने गांव वालों के अंधविश्वास को दूर कर दिया था। *

कविता
सूर्यकुमार पांडेय

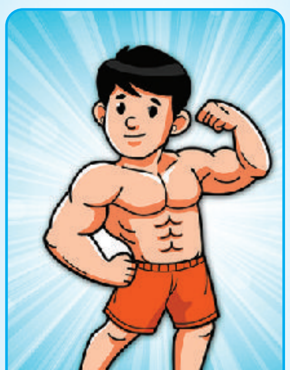

पहलवान

सब मेवे कर गए सफाचट,
और दूध पी गए फटाफट।
दांव-पेंच सब इनको आते,
भांति-भांति के हाथ दिखाते।
मुग्दर-दंड उठाए अब तक,
लगा रहे अब उठक-बैठक।
ये शौकीन बड़े कुश्ती के,
सच में हैं पुतले चुस्ती के।
पहलवान इनसे थर्राते,
लड़ने जल्दी पास न आते।
जीत चुके हैं दंगल सारे,
कल के गामा यही हमारे।

रंग भरो-205

रंग भरो-205 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

दिव्या, बिलासपुर

आशुतोष, उमरिया

आशना, जांजगीर

दिशा, बिलासपुर

यतिका, कोरबा

साक्षी, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आद्या-उमरिया, प्रगति-बिलासपुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रेणुका-बिलासपुर, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, शुभम-रायगढ़, अर्पित-कोरबा, सना-बलौदा बाजार, आशुतोष-दुर्ग, कुसुम-हिसार

रंग भरो 206

बच्चो, यहां दिए गए सुंदर से ब्लैक एंड व्हाइट चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

विनिवेश ने पकड़ी रफ्तार, पहली तिमाही में बजट लक्ष्य का 31 प्रतिशत राजस्व जुटाया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रीकरण की रफ्तार तेज कर दी है और पहली तिमाही में ही समूचे वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का करीब 31 प्रतिशत जुटा लिया है। यह किसी भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विनिवेश प्रक्रिया की अब तक की सबसे तेज प्रगति मानी जा रही है।

सरकार मई के मध्य से जून के बीच लगभग हर सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी (पीएसयू) में हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) लेकर आई। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के छह प्रतिष्ठानों में हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटाए।

इनविट के जरिए 6,367 करोड़ प्राप्त हुए

यह हिस्सेदारी बिक्री सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में की गई। इसके अलावा, अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये परिसंपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने से भी 6,367 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस तरह विनिवेश एवं मौद्रीकरण के जरिये अब तक कुल 24,928 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 80,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

सब्सिडी खर्च बढ़ने की आशंका

पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा और उर्वरक आयात महंगा होने से सब्सिडी खर्च बढ़ने की आशंका है। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में ही राजकोषीय घाटा 1.62 लाख करोड़ रुपये, यानी वार्षिक लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। मई तक शुद्ध कर राजस्व जहां सालाना लक्ष्य का 12.1 प्रतिशत रहा, वहीं गैर-कर राजस्व (जैसे विनिवेश) 17 प्रतिशत तक पहुंच गया।

सरकार ने तैयार की विनिवेश की रूपरेखा

सरकार ने आगे भी सार्वजनिक क्षेत्र की कई कंपनियों के विनिवेश की रूपरेखा तैयार कर ली है और उम्मीद है कि वह तय लक्ष्य को पार कर सकती है। इस साल का सबसे बड़ा विनिवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हो सकता है।

एपीजे सुरेंद्र पार्क को 41 करोड़ का आयकर नोटिस जारी

नई दिल्ली। द पार्क और फ्लूरिज जैसे ब्रांड के स्वामित्व वाली एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड को आयकर विभाग से वर्ष 2024-25 के लिए ब्याज सहित 41.06 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस जारी किया गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह आदेश विस्तृत जांच के बाद किए गए आकलन से संबंधित है और इसमें आयकर अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत कुछ आय को जोड़ा गया तथा कुछ व्यय को अस्वीकृत किया गया है। एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड ने बुधवार देर रात कहा, ''हम निर्धारित समयसीमा के भीतर इस आदेश के खिलाफ उपयुक्त अपीलीय प्राधिकरण/नेशनल फेसलेस अपील सेंटर (एनएफएसी) के समक्ष अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं।''

आईवीएफ फेल होने के बाद भी निराश न हों : माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

बिलासपुर। एक या दो बार आईवीएफ असफल होने का अर्थ यह नहीं है कि संतान सुख की उम्मीद समाप्त हो गई है। सही जांच, अनुभवी विशेषज्ञों की सलाह और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अगली आईवीएफ प्रक्रिया सफल हो सकती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक मामला अग्रसेन चौक के पास स्थित माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में सामने आया, जहां 8 बार आईवीएफ असफल होने के बाद पहुंचे एक दंपति को सफल गर्भधारण का सुख मिला।

लंबे समय से संतान की चाह में निराश इस दंपति की पूर्व रिपोर्टों का गहन जांच किया गया। महिला की गर्भाशय की स्थिति, एंडोमेट्रियम, हार्मोनल प्रोफाइल, भ्रूण की गुणवत्ता तथा पुरुष के शुक्राणुओं की जांच के बाद विशेषज्ञों ने उनकी स्थिति के अनुसार व्यक्तिगत आईवीएफ उपचार योजना तैयार की। आधुनिक आईवीएफ लैब, उन्नत भ्रूण चयन

तकनीक तथा सही समय पर एम्ब्रियो ट्रांसफर की सहायता से दंपति का सफल गर्भधारण संभव हो सका। माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. प्रतिभा माखीजा का कहना है कि आईवीएफ असफल होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे भ्रूण की गुणवत्ता, गर्भाशय की स्थिति, हार्मोनल असंतुलन, शुक्राणुओं की समस्या या इम्प्लांटेशन में कठिनाई। इन कारणों की सही पहचान और उचित उपचार से अगली आईवीएफ प्रक्रिया की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि यदि पहले आईवीएफ में सफलता नहीं मिली है, तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक मरीज की स्थिति अलग होती है और सही उपचार के साथ कई दंपति सफलतापूर्वक माता-पिता बनने का सपना पूरा कर रहे हैं। अग्रसेन चौक के पास स्थित माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में आईवीएफ, आईसीएसआई ब्लास्टोसिस्ट कल्चर, पुरुष एवं महिला बांझपन की जांच एवं उपचार सहित अत्याधुनिक फर्टिलिटी सेवाएं उपलब्ध हैं। यहां प्रत्येक मरीज के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना बनाकर बेहतर परिणाम देने का प्रयास किया जाता है। अधिक जानकारी के 8085758585 संपर्क करें।

आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार में दूसरे दिन तेजी

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। कच्चे तेल के दाम में गिरावट, वैश्विक स्तर पर सकारात्मक घटनाक्रमों और आईटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 170 अंक की तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 656.29 अंक चढ़कर 77,578.93 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी 169.85 अंक की तेजी के साथ 24,175.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस 5.64 प्रतिशत चढ़ा। इसके बाद

■ सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा, निफ्टी में 170 अंक की तेजी

क्रमशः टेक महिंद्रा (4.32 प्रतिशत), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (4.28 प्रतिशत) और एचसीएल टेक (4.12 प्रतिशत) का स्थान रहा। बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन और आईसीआईसीआई बैंक में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बीएसई स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत के लाभ में रहा।

खबर संक्षेप

सुजुकी मोटरसाइकिल की बिक्री में 21 फीसदी इजाफा

मुंबई। जापान की दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी इंडिया की जून में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 1,15,030 इकाई हो गई। कंपनी ने जून 2025 में कुल 95,244 दोपहिया वाहन बेचे थे। घरेलू बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 91,264 इकाई रही, जो एक वर्ष पहले इसी महीने 73,934 इकाई थी। वहीं, समीक्षाधीन महीने में निर्यात 21,310 इकाई के मुकाबले सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 23,766 इकाई हो गया।

एनबीसीसी ने 955 करोड़ रुपए के निर्माण ठेके दिए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में विभिन्न निर्माण परियोजनाओं के लिए 955.13 करोड़ रुपये के ठेके दिए हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान उसने 955.13 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों के ठेके प्रदान किए। एनबीसीसी ने पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कुल नौ ठेके दिए।

जी एंटरटेनमेंट वारंट जारी कर 3143 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने प्रवर्तक समूह की इकाई

को पूर्ण परिवर्तनीय वॉरंट जारी कर 3,143.51 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 126 रुपये प्रति वॉरंट के निर्गम मूल्य पर 24.95 करोड़ तक पूर्ण रूप से परिवर्तनीय वॉरंट जारी करने की मंजूरी दी है। कंपनी में प्रवर्तक समूह की इस इकाई की हिस्सेदारी मार्च, 2026 तक 3.99 प्रतिशत थी।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19अटल नगर नवा रायपुर

क्रमांक / ESTB-101(3)/30/2026-DHS/379
नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 30/06/2026

संशोधित सूचना पत्र

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. के पत्र क्रमांक/ ESTB-101(3)/30/2026-DHS/346 दिनांक 16.06.2026 के द्वारा संभाग एवं जिला स्तरीय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी (स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष/महिला, फार्मासिस्ट ग्रेड-2 वार्ड ब्वॉय एवं वार्ड आया) के कुल 550 पदों पर अभ्यार्थियों को कोरोना वैशविक महामारी के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नियुक्त 01 वर्ष में 06 माह तक सेवा देने वाले सभी अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी वर्ग के पदों के चयन हेतु कोविड-19 के 10 बोनस अंको का लाभ किये जाने हेतु अंतिम अवसर देते हुये दिनांक 30.06.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर अटल नगर करने हेतु संशोधित सूचना पत्र जारी किया गया था।

उक्त संशोधित सूचना में संशोधित करते हुये अभ्यार्थियों को दिनांक 10.07.2026 तक कोविड-19 के 10 बोनस अंक हेतु स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर अटल नगर में आवेदन किया जा सकता है।

टीप :-कोविड बोनस अंक हेतु आवेदन दिनांक 10.07.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे।

आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवायें द्वारा अनुमोदित

संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

जी-262701856/2

कार्यालय नगर पालिका परिषद कटघोरा, जिला-कोरबा (छ0ग0)

क्रमांक / 775 / तक0 शा0 / न0पा0प0/2026 कटघोरा, दिनांक 02/07/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Chief Municipal Officer, Katghora Municipal Council invites Online Tenders for and on behalf of Municipal council Katghora for S.O.R. percentage rate & SOR C.G. PWD Building 20.04.2026 ELECRICAL 10.04.2026 /PHE SOR 01/06/2020 tender in FORM- 'A' from eligible class -contractors of PWD Chhattisgarh. e-Procurement System (https://eproc.cgstate.gov.in)

S. N.	System Tender No & Date	Description	Total Estimate Cost Rs. In Lacs	Last Date Online Submission	Remark
1.	194489	वार्ड क. 02 नवीन कार्यालय भवन परिसर में शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य	48.16	23/07/2026	1st Call

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में तथा कार्यालयीन समय पर नगर पालिका परिषद कटघोरा से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद कटघोरा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कंपनी)
सी.आई.एन. - U40108 CT2003 SGC015822
कार्या. - कार्यपालन अभियंता (नगर) संभाग-दो, पश्चिम, बिलासपुर (छ.ग.)
दूरभाष क्रमांक 07752-427091 वेबसाईट: www.cspdcl.co.in, टेलीफोन नं0: 07752.427091

क्रमांक / का0अ0 / न0सं0प0 / सामा0 / 1111 बिलासपुर, दिनांक 02.07.2026

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निर्माण कार्य एवं रख-रखाव का कार्य किये जाने हेतु तालिका में दर्शाए गये क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, आवश्यकतानुसार समयावधि घटाया / बढ़ाया जा सकता है।

क्र.	समय	दिनांक/दिन	उपकेंद्र	फीडर	प्रभावित क्षेत्र
1	सुबह 10:00 से 02:00 बजे	03.07.2026 शुक्रवार	33/11 के0व्ही0 उस्लापुर रेलवे स्टेशन उपकेन्द्र	11 के0 व्ही0 उस्लापुर ओव्हरब्रिज फीडर	उस्लापुर रेलवे स्टेशन, दीन दयाल आवासीय कॉलोनी एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के0व्ही0 अभिषेक विहार फीडर	अभिषेक विहार एवं आसपास का क्षेत्र।
2	सुबह 10:00 से 02:00 बजे	04.07.2026 शनिवार	33/11 केव्ही. कोनी उपकेंद्र	11 के0 व्ही0 लोखण्डी फीडर	लोखंडी, धुरी पारा, ग्राम पंचायत मंगला एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के0व्ही0 बिरकोना फीडर	बड़ा कोनी, सांई मंदिर, एवं आसपास का क्षेत्र।
3	सुबह 09:00 से 02:00 बजे	06.07.2026 सोमवार	33/11 के0व्ही0 चांटीडीह उपकेंद्र	11 के0व्ही0 सरकण्डा फीडर	सरस्वती शिशु मंदिर, जोरा तालाब, जिला अस्पताल, सीपत चौक, बंगालीपारा, एवं आसपास का क्षेत्र।
				11 के0व्ही0 टी0व्ही0 फीडर	राजस्व कालोनी, त्रिवेणी नगर, मुक्तिधाम चौक, गुरूविहार, पाठक बगीचा एवं आसपास का क्षेत्र।

" विद्युत संबंधित शिकायतें केंद्रीकृत कॉल सेंटर के फोन नं0 1912 पर दर्ज करावें।"
" विद्युत देयक का भुगतान नियमित करें।" असुविधा के लिये खेद है।"

स.

कार्यपालन अभियंता (न0सं0-दो) पश्चिम
छ0स्टे0पॉ0डि0कं0 लिमि0, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ संवाद
(जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था)
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19 नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़, फोन नं. 0771-2512580, 81, email: cgsamvad@gmail.com

क्रमांक 1198/छ.ग.सं./ प्रका. / 2026 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 02/07/2026

विभिन्न सामग्रियों के मुद्रण हेतु दर निर्धारण एवं योग्य फर्मो के इम्पैनलमेंट हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ संवाद (जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था) द्वारा विभिन्न सामग्रियों "अ", "ब", "स" श्रेणी एवं वेब ऑफसेट मुद्रण हेतु दर निर्धारण एवं योग्य फर्मों के इम्पैनलमेंट हेतु निर्धारित प्रारूप में समस्त वांछित दस्तावेजों सहित पूर्ण भरे हुए निविदा ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रारूप एवं नियम शर्तों का अवलोकन छत्तीसगढ़ संवाद की वेबसाईट http://samvad.cg.nic.in पर किया जा सकता है। निविदा प्रारूप एवं नियम शर्तों में संशोधन होने पर संशोधन की सूचना उक्त वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी, पृथक से समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशन नहीं किया जाएगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की तिथियां निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा	प्री-बिड मीटिंग (3:30 बजे अपरान्ह) (प्री-बिड सुझाव दिनांक 10072026 तक अनिवार्यत: ईमेल के माध्यम से ही जमा किया जाना है)	निविदा प्रपत्र शुल्क (GST सहित वापसी योग्य नही)	अमानत राशि (बिना ब्याज के वापसी योग्य)	निविदा में भाग लेने हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि (2:00 बजे अपरान्ह तक)	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि (3:00 बजे अपरान्ह तक)	निविदा खोलने की तिथि (4:0 बजे अपरान्ह से)
1	मुद्रण "अ" श्रेणी	08-07-2026	5,900/-	5,00,000/-	03.08.2026	03.08.2026	03.08.2026
2	मुद्रण "ब" श्रेणी	08-07-2026	2,360/-	50,000/-	03.08.2026	03.08.2026	03.08.2026
3	मुद्रण "स" श्रेणी	08-07-2026	590/-	5,000/-	03.08.2026	03.08.2026	03.08.2026
4	वेब ऑफसेट मुद्रण	08-07-2026	5,900/-	5,00,000/-	03.08.2026	03.08.2026	03.08.2026

सं. 48335

मुख्य कार्यपालन
अधिकारी छत्तीसगढ़ संवाद नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग बेमेतरा

ज्ञाप क्रं. 3897/ व.ले.लि./2025-26/ बेमेतरा, दिनांक :- 01/07/26

रूचि की अभिव्यक्ति

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत इस कार्यालय द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार माननीय मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण की आमसभा, व्ही.आई.पी. कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों इत्यादि हेतु टेन्ट, पण्डाल, मंच इत्यादि के आयोजन व्यवस्था संपादित किया जाता है। वर्ष 2026-27 में इस कार्यालय द्वारा संपादित किये जाने वाले ऐसे कार्यक्रमों हेतु योग्य टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठानों की सूची तैयार किये जाने तथा आयटमों के दर निर्धारण हेतु इच्छुक अनुभवधारी एवं अर्हताधारी टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठानों से सहमति तथा आयटमवार दर प्रस्तुत करने हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया जाता है।

विवरण निम्नानुसार है :-
1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि :-14/07/2026
2. दर प्रस्तुत करने की तिथि :-21/07/2026
3. दर खोलने की तिथि :-22/07/2026

अभिव्यक्ति आमंत्रण प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार दस्तावेज/प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

आवश्यक अर्हताएं :-
1. टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठान के मालिकाना तथा लाईसेंस की प्रति होना चाहिये।
2. जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति।
3. टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठान का विगत 05 वर्षों में टेन्ट हाऊस कार्यक्रम संपादन औसत वार्षिक टर्न ओवर कम से कम रू. 1.00 करोड़ होना आवश्यक है, तत्सम्बंध में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4- विगत 05 वर्षों में छ.ग. राज्य में संपादित महत्वपूर्ण कम से कम 03 व्ही.व्ही.आई.पी. कार्यक्रम संपादित किये जाने जिसमें प्रति कार्य के लागत कम से कम रू. 1.00 करोड़ होने का अनुभव प्रमाण-पत्र, जो कार्यपालन अभियंता / समकक्ष अथवा उच्च अधिकारी से हस्ताक्षरित हो।

विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

जी-262701851/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग बेमेतरा

प्रारूप-एक
(नियम 11 देखिये)

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल (हे.) में	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	पुसौर	आमापाली	0.459	लोक निर्माण विभाग

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक-08/07/2026 को (समय) दोप. 3:00 बजे (स्थान) पंचायत भवन आमापाली में नियत की गई है।

प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-
(एक) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण :- लोक निर्माण विभाग
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 15
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- निरंक
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
(पॉच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
(छ:) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ? हाँ
(सात) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है? हाँ।
(आठ) परियोजना की कुल लागत :- 532.37 लाख रूपये।
(नौ) परियोजना से होने वाले लाभ: अवागमन हेतु सुविधा
(दस) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :-05 लाख ।
(ग्यारह) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक:- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

कलेक्टर
रायगढ़ (छ.ग.)

जी-262701825/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 25.06.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 15.07.2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू. क्र./सि.क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
210/194375	शासकीय महाविद्यालय उतई जिला दुर्ग में अतिरिक्त कक्ष का शेष निर्माण कार्य	85.23
211/194377	लाईवलीलीहुड कॉलेज दुर्ग में 50 सीटर बालक छात्रावास सहचौकीदार आवास गृह का शेष निर्माण कार्य	29.81
212/194378	खैरागढ संभाग के राज्य मार्ग पर जंक्शन सुधार एवं कैश बेरियर लगाने का कार्य	176.92
213/194379	लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद के अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्गे पर कैश बेरियर लगाने का कार्य	172.53
214/194380	लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद के अंतर्गत विभिन्न राज्य मार्गे पर जंक्शन सुधार का कार्य	77.93
215/194381	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 01 के अंतर्गत कार्यालय डिवीजनए कमलादेवी महाविद्यालय, एवं 100 सीटर विस्तर गर्ल्स हॉस्टल भवन राजनादगांव का रगाई पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	15.07
216/194382	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगाव के अंतर्गत शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव में रंगाई पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	14.05
217/194383	उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव विभिन्न एफ टाईप आवासगृहों में का रंगाई पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	11.70
218/194384	उपसंभाग डोंगरगढ के अंतर्गत विभिन्न मार्गो के पुल-पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00
219/194385	उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव अंतर्गत पुराना कंपोजिट भवन, न्यू सर्किट हॉउस एवं पुराना सर्किट में रंगाई-पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	40.81
220/194386	उपसंभाग कं. 01 बालोद के अंतर्गत विभिन्न गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं रंगरोगन का कार्य (जोनल एजेन्सी)	15.75

टीप:- 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है। 2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-262701845/3

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER P.W.D. (B&R) AMBIKPUR CIRCLE AMBIKAPUR

Invitation Date :- 26.06.2026

E-PROCUREMENT TENDER NOTICE

01. For tender detail please visit http://eproc.cgs tate.gov.in
02. Concern Division - S.No. 01 to 06 Ambikapur and S. No.07 Jashpur Division
03. S.No. 01,02 - 'C' Class And Above Contractor S.No. 03 to 07 - 'D' And Above Contractor
04. Bid Submission Due Date - 20.07.2026

S. No.	N.I.T. No.	Name of work	P.A.C. in lacks
1	115	Construction of Transit Hostal (Teacher Qtr.) for Three Unit Building at Udaipur Distt. Surguja (C.G.) including Electrification (First Call)	126.23
2	116	Construction of Transit Hostal (Teacher Qtr.) for Three Unit Building at Narmadapur Mainpat Distt. Surguja (C.G.) including Electrification (First Call)	126.23
3	117	Construction of Store (Hall) in Sainik School Ambikapur Distt. Surguja (C.G.) (First Call)	35.93
4	118	Seepage Repairing Works (Water Proofing Treatment) of Various Building at Sainik School Ambikapur Distt. Surguja (C.G.) (First Call)	47.69
5	119	BT Renewal work for External and Internal Approach Roads at Sainik School Ambikapur Distt. Surguja (C.G.) (First Call)	99.00
6	120	Repairing of Boundrywall of Sainik School Ambikapur Distt. Surguja (C.G.) (First Call)	12.78
7	121	Construction of Fire Station Building and Garage at Distt. Jashpur (C.G.) (First Call)	96.86

जी. 262701829/5

SUPERINTENDING ENGINEER
P.W.D. (B&R) AMBIKPUR CIRCLE AMBIKAPUR

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग कार्या.-225059 राजनांदगांव वनमंडल राजनांदगांव

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, राजनांदगांव वन मण्डल के डिपो में उपलब्ध ईमारती/जलाऊ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/वन काष्ठागार, अछोली से प्राप्त की जा सकती है।

अछोली काष्ठागार, नीलाम दिनांक:- 15.07.2026 समय प्रात: 9.00 बजे

काष्ठागार का नाम: अछोली, वनमण्डल राजनादगांव

क्र.	प्रजाति	नये वनोपज			पुराने वनोपज			योग		
		ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1.	सागौन	130.000	100	100	120.936	1526	6956	250.936	1626	7956
2.	बीजा	30.000	0	0	90.661	90	119	120.661	90	119
3.	तिन्सा	5.000	0	0	4.813	0	54	9.813	0	54
4.	साजा	7.000	0	0	0	68	0	7.000	68	0
5.	ह.मु.ख.	0.500	0	0	0.709	0	0	1.209	0	0
6.	धावड़ा	3.000	0	0	0	0	0	3.000	0	0
7.	कसही	10.000	0	0	13.282	0	0	23.282	0	0
8.	सलिहा, मोदे	3.500	0	0	1.096	0	0	4.596	0	0
9.	अन्य	14.000	0	0	21.973	1309	54	35.973	1309	82
	योग	203.000	100	100	253.470	2993	7211	456.470	3093	8211

1) अछोली डिपो के नये 50 जलाऊ चट्टा
2) अछोली डिपो के अविक्रित 269 जलाऊ चट्टा
3) घुमका डिपो के अविक्रित लाट मिश्रित प्रजाति 10.957 घ.मी.
4) बम्लेश्वरी डिपो के नये लाट औद्योगिक बांस मिक्स 288.478 नो.टन
5) बम्लेश्वरी डिपो के अविक्रित औद्योगिक बांस 1 मी. 0.500 नो.टन

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है। 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

जी-262701823/3

वनमण्डलाधिकारी,
राजनांदगांव वन मण्डल राजनांदगांव

प्रथम पृष्ठ का शेष

बदल दिए रंग,...

वर्तमान शैक्षणिक सत्र से यूनिफॉर्म के रंग में बदलाव किया गया है, इसलिए छात्र पुराने वर्ष के अपने यूनिफॉर्म भी नहीं पहन पा रहे हैं। अब तक स्कूलों में आसमानी रंग के शर्ट तथा नेवी ब्लू रंग के स्कर्ट (लड़कियों के लिए) तथा पैंट (लड़कों के लिए) निर्धारित थे। नए सत्र से हल्के नीले रंग में चेक पैटर्न के शर्ट तथा स्लेटी रंग के स्कर्ट/ पैंट वितरित किए जा रहे हैं। मौजूदा सत्र से इसे पूरे प्रदेश में लागू करने से पहले बिलासपुर और अंबिकापुर जिलों में इसका सफल ट्रायल किया गया था। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य शासकीय स्कूल के बच्चों का लुक निजी कॉन्वेंट स्कूलों की तरह आकर्षक बनाना था।

आकार की भी दिक्कतें -

बीते वर्षों की तरह गणवेश के साइज की भी दिक्कतें हैं। अधिकतर स्कूलों से माप मंगाए बगैर ही एक ही साइज के कपड़े पुराने ढर्रे पर वितरित कर दिए जाते रहे हैं। छोटी कक्षाओं के छात्रों को अधिक परेशानी हो रही है। कई बच्चों के पैंट उनके घुटनों से अत्यधिक नीचे आ रहे हैं तो लड़कियों के स्कर्ट भी जमीन छू रहे हैं। गौरतलब है कि पहली से आठवीं कक्षा के तक छात्रों को दो सेट गणवेश प्रतिवर्ष निशुल्क रूप से वितरित किए जाते हैं।

जून सूखा गया,...

वर्षा नहीं होती है तो बुवाई में और देरी होने से उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है।

कृषि विशेषज्ञों की राय- कृषि विशेषज्ञ विजय जैन व उप सचालक संदीप भोई बताते हैं कि अगले 7-10 दिनों में अच्छी बारिश होने पर धान की बोनी तेजी पकड़ सकती है। लेकिन यदि वर्षा की कमी बनी रही तो किसान देर से बोई जाने वाली धान किस्मों के बजाय सोयाबीन, तिल, अरहर और अन्य वैकल्पिक फसलों की ओर रुख कर सकते हैं।

कवर्धा में 74 फीसदी...

तक जिले में लगभग 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बोनी पूरी हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 74 प्रतिशत है।

हफ्ते भर की...

धान का रकबा 14 फीसदी कम हुआ है। सहायक संचालक कृषि सुदमा नेताम ने बताया कि पिछले साल 2 जुलाई तक 80064 हेक्टर में धान की फसल ली गई थी। इस साल अब तक 60000 हेक्टर में धान की फसल बोई गई है।

चार्ल्स शोभराज के...

मुफ्त सेवाएं तो ली ही, लैपटाप भी चोरी किया था। वह स्वयं को विदेश गाइड, इंग्लिश तथा योगा टीचर बताता था और महंगे होटलों में स्टे कर ठगी करता था।

रायपुर के होटल में ऐसे की ठगी -

बिंगसन जॉन ने 25 जून को अपने लिए रूम बुक कराया था। उसने रूम बुक कराने होटल के मुख्यालय नागपुर स्थित होटल हयात से संपर्क किया। इसके बाद उसने नागपुर के होटल प्रबंधन को रायपुर स्थित होटल का नंबर नहीं होने का झांसा देकर यहां अपने लिए कमरा बुक कराने के लिए कहा। इसके बाद नागपुर से रूम बुक कराने के बाद वह रायपुर पहुंचा। बिंगसन जान ने होटल हयात में पांच दिनों के लिए रूम बुक कराया था। इसके बाद वह 27 जून को लैपटॉप चोरी कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार जालसाज जिस होटल में रुकता था, वह उस होटल के मुख्यालय चेन के माध्यम से रूम बुक कराता था। चेक आउट के पहले वह फरार हो जाता था।

बारिश से बचने...

चपेट में आने से मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। इधर आकाशीय बिजली गिरने की मां-बेटी की मौत हो जाने की जानकारी लगते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई वहीं मृतक के परिजन प्रमोद कुमार टेकाम ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना राजपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दुखद घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि हादसा अचानक हुआ कि किसी को उन्हें बचाने का अवसर नहीं मिल सका। राजपुर पुलिस ने ग्रामीणों से अपील किया है वर्षा एवं गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों या आकाशीय बिजली गिरने की आशंका वाले स्थानों पर शरण न लें। ऐसे समय सुरक्षित भवन या पक्के आश्रय स्थल में ही रहें तथा मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

कांग्रेस सरकार में...

स्थिति पूरी तरह बदल गई और लगभग 15 हेक्टेयर भूमि पर पक्के मकानों के रूप में अतिक्रमण कर लिया गया। यही नहीं, वहां 10 हजार वर्गफीट से अधिक के क्षेत्रफल में 21 मकान पाए गए। कब्जाधारियों की सामाजिक स्थिति का ये हाल है कि वहां 44 परिवारों के पास उसी गांव में पहले से मकान है। खास बात ये है कि ये तथ्य कार्यपालन अभियंता हाउसिंग बोर्ड के शासकीय पत्र में लिखे हुए हैं।

2023 के बाद वहां स्थिति बदली-

जब भूमि का चिन्हांकन एवं आवंटन प्रक्रिया की जानकारी ग्रामीणों को हुई तब मुआवजे के चक्कर में कई गैर जरुरी व्यक्तियों द्वारा मिलीभगत से शामिलन चरागाह भूमि पर अवैध कब्जा किया गया। वहां वर्ष 2021 में केवल 3 हेक्टेयर क्षेत्र में कच्चे मकान एवं बाड़ी पाए गए थे, लेकिन वर्ष 2023 में यानि दो साल बाद वहां की स्थिति पूरी तरह बदल गई और लगभग 15 हेक्टेयर भूमि पर पक्के मकानों के रूप में अतिक्रमण कर लिया गया। गांव में निर्मित मकानों का आकार- 1000 फीट के 7, 1200 वर्ग फीट के 3, 5000 से 10 हजार वर्ग फीट के 13, 10 हजार वर्ग फीट से अधिक के 21 मकान बन गए थे। वहां जिन परिवारों के पास उसी गांव में पहले से मकान हैं, उनकी संख्या 44 है।

10 हजार से 29 हजार वर्गफीट तक कब्जा-

नकटी में अवैध 60 कब्जाधारियों की एक सूची सोशल मीडिया में तैर रही है, जिसमें कई लोगों के पास 10 हजार से लेकर 29 हजार वर्गफीट पर कब्जा करना बताया गया है। इनमें सुकल राम 15 हजार 600 वर्गफीट, घासी 10 हजार फीट, मनोज कुमार 17 हजार 400 फीट, पंचु साहू 10 हजार 400 फीट, घसिया 14 हजार 700 फीट, मायाराम 18 हजार 500 फीट तथा जानकी 29 हजार 600 फीट का नाम दर्ज है। इस सूची की अधिकृत पुष्ट हरिभूमि नहीं करता।

तीन साल में...

यह सब कुछ 1 सिंतबर 2020 से 9 नवंबर 2020 के बीच हुआ। 4 अप्रैल 2021 में नायब तहसीलदार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, सहित सभी संबंधित विभागों को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पत्र लिखा गया। लेकिन कहीं से कोई आपत्ति नहीं आई। 26, जून को पटवारी ने स्थल निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें ये ब्योरा सामने आया। नकटी ग्राम की कुल जनसंख्या 2110, शासकीय भूमि 22.736 हेक्टेयर, निजी भूमि 24. 175 हेक्टेयर, शेष भमि को शामिलन चारागाह के रूप में दर्ज किया गया। 26 जून 2021 को राजस्व अभिलेख में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि उक्त भूमि गृह निर्माण आवंटन के लिए प्रस्तावित है। 8 दिसंबर 2021 को गृह निर्माण मंडल द्वार एसडीएम को पत्र भेजा गया जिसमें पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर यह स्पष्ट किया गया कि प्रस्तावित भूमि में लगभग 3 हेक्टेयर क्षेत्र मे केवल कच्चे मकान एवं बाड़ी स्वरूप अतिक्रमण किया गया है। 25 फरवरी 2022 को गृह निर्माण मंडल द्वारा उक्त भूमि के आवंटन हेतु पुनर्विचार करते हुए प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।

सीएम को पत्र...

ग्रामीणों का घर उजाड़कर यहां बसाने वाले विधायक कॉलोनी में रहना उचित नहीं समझता। उन्होंने मांग की है कि नवा रायपुर में सैकड़ों एकड़ खाली जमीन है वहां पर भी इसे बनाया जा सकता है। अतः उसे वहां स्थानांतरित किया जाए। ग्रामीण परिवारों को फिर से नकटी में बसाया जाए।

बाबा बर्फानी के...

रास्तों की निगरानी के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 670 कंपनियां तैनात की गई हैं।

इससे एक दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भगवती नगर स्थित यात्री निवास पहुंचे थे, जहां उन्होंने यात्रा से जुड़ी सभी तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया था। उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहरने की सुविधा, सुरक्षा प्रबंध, स्वास्थ्य सेवाएं, हेल्प डेस्क, सफाई व्यवस्था, बिजली-पानी की सप्लाई और आपात सेवाओं का निरीक्षण किया था, ताकि किसी भी यात्री को दिक्कत का सामना न करना पड़े।

जापान की साझेदारी...

रूप दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया बयान में कहा, आज के अनिश्चितता के दौर में भारत और जापान दोनों ही आर्थिक सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को बेहतर ढंग से समझते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने आज आर्थिक सुरक्षा के लिए एक संयुक्त खाका तैयार किया है। मोदी ने कहा, इसके माध्यम से हम सेमीकंडक्टर, प्रौद्योगिकी और उन्नत सामग्रियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला को अधिक सुदृढ़ और लचीला बनाएंगे। मोदी और तकाइची ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया।

आर्थिक सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और टेक्नोलाजी पर एमओयू:-

दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार और निवेश, आर्थिक सुरक्षा, ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियों और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-जापान संबंधों की व्यापक समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे संबंध अटूट पारस्परिक भरोसे पर आधारित हैं' जो दोनों देशों के बीच संबंधों में बढ़ते सामंजस्य को दर्शाता है। मोदी और तकाइची की मौजूदगी में आर्थिक सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तथा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े प्रमुख समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नं.-5 कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9111111377 (41316)

आवश्यकता है- बच्ची को संभालने हेतु शिक्षित महिला या लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फ्लैट नं.-304, सी-ब्लॉक सांई परिसर रामा मैग्नेटो मॉल के पास 7389640567 (41322)

आवश्यकता है- बच्चे के साथ रहने के लिए महिला की आवश्यकता है समय दोपहर 12बजे से 8.30 बजे तक सम्पर्क 9425899221 स्थान इन्दु चौक के पास बिलासपुर (41321)

आवश्यकता है- प्लाईवुड दुकान में अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Busy Software आता हो। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- आहूजा ट्रेडर्स, सरकंडा बिलासपुर 7000484949, 6267343749 (41318)

आवश्यकता है- बिलासपुर में 67 वर्षीय बेड रिडन महिला (स्ट्रोक मरीज) की 24घंटे देखभाल हेतु अनुभवी महिला केयर गिवर/ नर्स चाहिए। (कार्य- मरीज की देखभाल, दवा देना, भोजन कराना आदि) सम्पर्क- 9827495381 (41319)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी एवं पैकर कार्य करने हेतु लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (41313)

Siddhi Softwares
आवश्यकता है
(1) PHP Laravel Developer- 02 Post
(2) Computer/ CCTV Hardware Engineer- 02 Post
-योग्यता-
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, स्नातक, समकक्ष योग्यता एवं अनुभव
Contact-
6265197680
6260537847

Requirment- Manager Qualification Roles And Responsibilities- Genral Administration Statutory Compliances Legal Matters Salary Will be Commensurate With Qualification And Experience Intersted Candidate may send Resume Mo.- 8283848502 (41317)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 (समय सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास, बिलासपुर 97704 10332 (41324)

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय- 10घंटे), पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (5396)

आवश्यकता है- श्री गुरुतेग बहादुर उ.मा. शाला 27खोली विकास नगर में अंग्रेजी पढ़ाने हेतु शिक्षक एवं आफिस कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रातः 8 से 1बजे तक 9827405850, 9039768650 (41306)

आवश्यकता है- टायर शोरूम में कार्य हेतु सेल्समैन 4पद (वेतन योग्यतानुसार 15000- 20000) एवं हेल्पर कार्य हेतु मेहनती लड़कों की (वेतन 10000-12000) सम्पर्क- (1) टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू अग्रसेन चौक बिलासपुर (2) टायर सेन्टर, महिन्द्रा शोरूम के पास सिरगिट्टी (41309)

आवश्यकता है- BUSY Software Operator (Transport Billing) प्रतिष्ठित ट्रांसपोर्ट फर्म को BUSY Software Operator की आवश्यकता है। योग्यता- BUSY Software पर Billing / Accounting का अनुभव Transport Billing, Challan, Invoice, LR का ज्ञान MS Excel एवं Computer का सामान्य ज्ञान, ट्रांसपोर्ट लाइन का अनुभव वांछनीय वेतन- अनुभव अनुसार आकर्षक। सम्पर्क करें- 93014 89299 (41315)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 (41308)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़की, लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-के. एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर (41312)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 98279 23507(41281)

आवश्यकता है- तेलीपारा मेडिकल कॉम्प्लेक्स बिलासपुर में दवाई दुकान में कार्य करने हेतु डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7974882279 (5119)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (41310)

आवश्यकता है- 60वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40वर्ष की महिला चाहिए विधवा, परित्यक्ता को प्राथमिकता वेतन 6000/- सम्पर्क- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 78697 59897, 9893968977 (41296)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 91110 00881, 8889823100 (41295)

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस एसी शोरूम में सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर ब्वॉयेज, गर्ल्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 (41305)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 78800 03160, 7880003190 (528)

आवश्यकता है- जय हिंद पब्लिक स्कूल लखराम (रतनपुर के पास में) विषय हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान,गणित पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षक शिक्षिकाओं की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9981766606, 7000549454 (41288)

आवश्यकता है- हायर सेकेण्डरी कक्षा हेतु रसायन जीव विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षक की आवश्यकता है। व्हाट्स एप 9827192066 में जानकारी भेजें। सम्पर्क करें- सरदार सन्तोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर (41291)

आवश्यकता है- दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 (41293)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में लड़का, लड़की चाहिए योग्यता 18वर्ष या अधिक, स्क्रीन गार्ड लगाने, मोबाइल कवर, एक्सेसरीज बेचने का अनुभवी, मोबाइल की सामान्य जानकारी हो। अनुभवी को प्राथमिकता समपर्क करें- 8718855032 (41286)

आवश्यकता है- झाड़ू पोछा, सफाई वेटर (18वर्ष से ऊपर) (10000) कर्मचारी, मेहनती कार्य हेतु लड़कों की। वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना, निशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार, बिलासपुर 9406390898 (41297)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर 9329124924 (41292)

आवश्यकता है- यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 97533 11111 (612)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें-गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर (41301)

आवश्यकता है- शीघ्र भर्ती हाउस कीपिंग स्टाफ 50 (M/F), केयर टेकर- 25 (खाना बनाना आना चाहिए) ऑफिस बॉय 10 शॉप कर्मचारी- 25 ड्राइवर-5 कंप्यूटर ऑपरेटर 30 पता- D.K. & Son's नियर सत्संग विहार शंकर नगर बिलासपुर 9368425184, 9651120491 (41294)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में काउंटर सेल्स कार्य हेतु 15 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। गाड़ी चलाना आता हो, 12वीं पास हो। सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8109090000, 83193 97645 (41304)

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41302)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं साफ सफाई हेतु महिला आया की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 70248 53558 (41287)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन फ्रैशर एवं अनुभवी लड़के और Marg साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की चाहिए पता- अरूण इलेक्ट्रीकल्स बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (41280)

आवश्यकता है- दुकान में अकाउंटेंट (बिजी सॉफ्ट वेयर अनुभवी को प्राथमिकता) एवं दुकान में स्टाफ व ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- JMD मित्र विहार कॉलोनी बिलासपुर 7987756265, 9376557711 (41289)

आवश्यकता है- दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के/ लड़कियों एवं चाइनीज मिस्त्री तथा दोसा मिस्त्री और सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36मॉल के सामने बिलासपुर 93005 18958 (41290)

आवश्यकता है- पार्ट टाइम रिसेप्शनिस्ट (लड़की) की जिसे कम्प्यूटर नॉलेज, बात करने का अच्छा अनुभव हो। कार्य समय सुबह 11 से 3बजे सम्पर्क करें-दोपहर 12-4बजे 9993784390 (41282)

आवश्यकता है- न्यू कंपनी विस्तार हेतु आवश्यकता है लड़के, लड़कियों की 8वीं 10वीं पास सैलरी 12000 से 15000, रहना फ्री, मिले- Ambition Compny सुंदर नगर रायपुर 90981 00628, 8435887784 (890)

आवश्यकता है- जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद फॉरेस्ट गार्ड क्लर्क वन पाल, चपरासी हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु-मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप/ कॉल करे-84004 06891 (102)

आवश्यकता है- दो बाई एवं मिस्त्री खाना बनाने के लिए एवं दो लड़कों की रूम सर्विस के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर (41299)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 72258 88800 (095)

बेचना

बेचना है- 10×14 की दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, 10×14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में सम्पर्क- 9827938236, 87709 63388 (41298)

बेचना है- 4BHK, 4लेटबाथ 2मंजिला नया लक्जरियस मकान 1525 वर्गफीट दो कार पार्किंग गार्डन वॉश एरिया पोर्च, रघु विहार अशोक नगर सरकंडा, 2BHK फर्स्ट फ्लोर फ्लैट विजया रीजेंसी, विजयापुरम, सरकंडा सम्पर्क- 97520 11980 (41228)

बेचना है- बिलासपुर में आकाश मार्ग, शुभम विहार उस्लापुर में सर्वसुविधायुक्त 1280 वर्गफीट में निर्मित 4BHK डुप्लेक्स मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7697590551 (41323)

किराया

किराया- बिलासपुर में उस्लापुर के पास मेन रोड के किनारे सागर होम्स कालोनी फेस-II में मकान नम्बर ए-94 के प्रथम तल पर 2BHK. परिवार वाले या छात्राओं को प्राथमिकता। सम्पर्क- 9993283308 (41314)

किराया- 2BHK स्वतन्त्र मकान पोर्च सहित किराए पर देना है किराया 7500/- पता- काली मन्दिर के सामने, मन्नाडोल तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098468103, 9770128995 (41307)

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

फाइनेन्स

लोन- Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन, मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन,लोन ट्रांसफर (BT),होम लोन, केसीसी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता- शॉप नं.- 231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.-नुरज सिंह राजपुत 7587287565, 91650 58207, 83139119645 (307)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पेनल्टी पर दागे गोल से बेल्जियम ने अतिरिक्त समय में सेनेगल को हराया

एजेंसी ▶▶| सिएटल

बेल्जियम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यहां सेनेगल को 3-2 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेल्जियम ने नियमित समय के अंतिम लम्हों में दो गोल दागकर स्कोर 2-2 किया और फिर अतिरिक्त समय में पेनल्टी पर यूरी टिलेमैन्स के गोल से जीत दर्ज की।

टिलेमैन्स ने 89वें मिनट में जर्मनी को बराबरी दिलाई और फिर अतिरिक्त समय के इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल किया जो विश्व कप के इतिहास का सबसे देर से हुआ गोल था। बेल्जियम का अगला मुकाबला सोमवार को सिएटल में अमेरिका और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले 11 विश्वकप में सिर्फ दूसरा मौका

बेल्जियम की यह जीत पिछले 11 विश्व कप में सिर्फ दूसरा मौका थी जब किसी टीम ने नॉकआउट दौर में दो या उससे अधिक गोल से पिछड़ने के बाद अगले दौर में जगह बनाई। बेल्जियम ने 2018 टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ 3-2 की जीत के दौरान भी ऐसा ही किया था।

लुकाकू व टिलेमैन्स ने दागे गोल

बेल्जियम के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और 86वें मिनट में गोल करके बेल्जियम की वापसी की उम्मीद जगाई। तीन मिनट बाद टिलेमैन्स ने बेल्जियम के लिए एक और गोल करके मैच को अतिरिक्त समय में खींचा और फिर पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

बेलोगन ने बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ अमेरिका को जीत दिलाई पर लाल कार्ड मिला

एजेंसी ▶▶| सेंटा क्लारा

फोलेरिन बेलोगन ने विश्व कप के राउंड ऑफ 32 मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना तीसरा गोल करके अमेरिका को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में उन्हें लाल कार्ड मिला जिससे मेजबान टीम को 2-0 की जीत के दौरान बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

बेलोगन ने एनबीए के लेब्रोन जेम्स के 'द साइलेंसर' मूव के साथ दो बार गोल का जश्न मनाया। उन्होंने पहली बार जब गोल किया था तो ऑफ साइड के कारण गोल को अमान्य कर दिया गया। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा और कुल मिलाकर 12वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

गोल करने के बाद बाहर होने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

तारिक मुहरेमोविच के दाहिने टखने पर पैर रखने के कारण उन्हें ब्राजील के रैफरी राफेल क्लॉस ने 64वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया। क्लॉस ने शुरू में कार्ड का संकेत नहीं दिया लेकिन वीडियो रिव्यू के बाद बेलोगन को लाल कार्ड दिखाया। बेलोगन विश्व कप नॉकआउट मैच में गोल करने और फिर बाहर भेजे जाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के रोनाल्डिन्हो और 2006 में इटली के खिलाफ फाइनल में फ्रांस के जिनेदिन जिदान के साथ ऐसा हो चुका है। बेलोगन अब सोमवार को बेल्जियम के खिलाफ होने वाले प्री क्वार्टर फाइनल मैच से निलंबित रहेंगे। इससे पहले 31वें मिनट में ऑफ साइड के कारण बेलोगन का गोल अमान्य होने के बाद उन्होंने 45वें मिनट में अमेरिका को बढ़त दिलाई। गेंद मुहरेमोविक के पैर से टकराकर बेलोगन के सामने आई और उन्होंने अपने बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर गोलकीपर निकोला वासिलज को छकाकर गोल कर दिया। टिलमैन ने इसके बाद दूसरे हाफ में 82वें मिनट में एक और गोल दागकर अमेरिका की जीत सुनिश्चित की।

फुटबॉल के साथ लुचा लिब्रे भी बना फुटबॉल विश्व कप का बड़ा आकर्षण

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको सिटी

फुटबॉल के साथ-साथ मेक्सिको की विश्वप्रसिद्ध लुचा लिब्रे (मुखौटा कुश्ती) भी विश्व कप देखने पहुंचे पर्यटकों के लिए सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल हो गई है।

रंग-बिरंगे मुखौटे पहने पहलवानों से सजी सड़कें और खचाखच भरे अखाड़े इस पारंपरिक खेल की लोकप्रियता का प्रमाण हैं। दुनिया भर से आए फुटबॉल प्रशंसक मेक्सिको की इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक विरासत के रंग में पूरी तरह रंगते नजर आ रहे हैं। फुटबॉल के साथ-साथ लुचा लिब्रे भी मेक्सिको की राष्ट्रीय पहचान और जुनून का अभिन्न हिस्सा है। कुश्ती के अखाड़ों में प्रवेश करते ही दर्शक कुछ घंटों के लिए फुटबॉल विश्व कप का रोमांच भूलकर एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं। स्टेडियमों के बाहर अब राष्ट्रीय झंडों के साथ-साथ लुचा लिब्रे के मुखौटे भी बड़ी संख्या में बिकते दिखाई देते हैं।

फाइल फोटो

यमाल स्पेन के लिए नॉकआउट मैच खेलने फिटः कोच

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको सिटी

इंगलवुड (अमेरिका)। कोच लुई डे ला फुएंते ने कहा कि 18 साल के लैमिन यमाल अब इतने फिट हैं कि जरूरत पड़ने पर स्पेन के लिए पूरा विश्व कप मैच खेल सकते हैं। बार्सीलोना के इस विंगर ने स्पेन के तीन ग्रुप मैच में सिर्फ 141 मिनट खेलते हुए एक गोल किया।

इस तरह वह शायद इकलौते ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने सितारों से भरे मौजूदा विश्व कप में कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। यमाल को 22 अप्रैल को पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी जिसके बाद उनके उबरने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए स्पेन ने उनके खेलने के समय को सीमित रखा था। नॉकआउट मुकाबले से पहले डे ला फुएंते ने सोफी स्टेडियम में संवाददाताओं से बात करते हुए संकेत दिया कि यमाल के उबरने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। स्पेन की टीम राउंड ऑफ 32 मैच में ऑस्ट्रिया का सामना करेगी। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण ला लीगा सत्र के आखिरी छह मैच नहीं खेलने के बावजूद यमाल ने बार्सीलोना के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 17 गोल करने में मदद की।

खबर संक्षेप

शाहरुख ने एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का किया उद्घाटना

कैलिफोर्निया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट स्टेडियम का आधिकारिक उद्घाटन किया। यह मैदान मेजर लीग क्रिकेट में एलए नाइट राइडर्स टीम का घरेलू मैदान होगा। इसके साथ-साथ आगामी ओलंपिक में भी इसका उपयोग किया जाएगा। बता दें कि शाहरुख नाइट राइडर्स ग्रुप के सह-मालिक हैं। इस कदम को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के तौर पर भी देखा जा रहा है।

शाहरुख ने एक्स पर किया पोस्ट

शाहरुख ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जो एक सपना था, वह आज हकीकत बन गया है। आप सभी का एलए के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में स्वागत है। यह जगह सिर्फ खेल के लिए ही नहीं, बल्कि ऐसी यादों के लिए जो हमेशा साथ रहेंगी। उन्होंने आईसीसी के चेयरमैन जय शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे लिखा 'जयभाई का खास शुक्रिया, जो इस सफर में बहुत मददगार रहे हैं।'

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज सीयर्स बाहर, लिस्टर खेलेंगे वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स टखने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह 16 खिलाड़ियों वाली टीम में बेन लिस्टर को शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि सियर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट मैच के बाद से ही टखने में लगातार दर्द महसूस हो रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन यह दर्द और बढ़ गया इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें आगे के इलाज के लिए न्यूजीलैंड वापस भेजने का

फैसला किया गया है। लिस्टर आने वाले दिनों में गुयाना में टीम के साथ जुड़ेंगे।

कई प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं उपलब्ध

न्यूजीलैंड के कई प्रमुख खिलाड़ी इस वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। साल के पहले हिस्से में ज्यादा मैच खेलने वाले काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओरूके को आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर के टखने की सर्जरी होनी है। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण डेवोन कॉनवे इस दौरे पर नहीं जा पाएंगे, वहीं रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

ऐसी है न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सैंटनर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट कैरिबियन की धीमी पिचों पर स्पिन के विकल्प देंगे।

दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलने भारतीय टीम का श्रीलंका दौरा अगस्त में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा करेगी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 के तहत टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेगी। 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होने वाले मैच से होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से होना है। पहला टेस्ट गॉल में और दूसरा टेस्ट कोलंबो में खेले जाने हैं। दिलचस्प रूप से भारतीय टीम लगभग एक दशक के बाद श्रीलंका दौरे पर कोई टेस्ट सीरीज खेलगी।

2017 के बाद भारत खेलेगा श्रीलंका में टेस्ट सीरीज

भारतीय टीम ने 2017 में आखिरी बार श्रीलंका की धरती पर 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। तब विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम ने सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। पिछले श्रीलंका के दौरे से अब तक भारतीय टीम में कई

बदलाव हो चुके हैं। कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और आगामी सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम अपनी चुनौती पेश करेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भारतीय टीम फिलहाल 48.15 प्रतिशत अंक के साथ पांचवे स्थान पर है। 2025-27 में भारत ने कुल 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 4 मैच जीते हैं और 4 में ही शिकस्त झेली , 1 टेस्ट ड्रॉ रहा है

श्रीकांत रिटायर हुए : अकर्षी, तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मार्खम (कनाडा)

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे। पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

अब झांग व गुंजी से मुकाबला

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

नौ खिलाड़ियों में से 7 पहले दौर में बाहर

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं। इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी।

खेल मंत्रालय की मेजबानी में अगले छह महीने में भारत में 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारत में अगले छह महीने में बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप समेत 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले जाने हैं और खेल मंत्रालय ने बेहतरीन मेजबानी का आश्वासन देते हुए कहा है कि खराब आयोजन जैसी अतीत की घटनाओं का दोहराव नहीं होगा। बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप 17 अगस्त से इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम पर खेली जायेगी जहां इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान स्वच्छता और रखरखाव से जुड़े मसलों को लेकर विदेशी खिलाड़ियों ने काफी आलोचना की थी ।

सभी सुविधाएं होंगी शीर्ष स्तर की : मंत्रालय

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा ,'' हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सुविधायें शीर्ष स्तर की हो । मंत्रालय तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। हम नकारात्मक धारणा को बदलने के लिये काम कर रहे हैं।''

ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को ओलंपिक टीम का दर्जा नहीं देंगे : आईओसी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि डेनमार्क की संसद के अनुरोध के बावजूद ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को अलग और स्वतंत्र ओलंपिक टीम के तौर पर मान्यता नहीं दी जाएगी। ओलंपिक चार्टर में 30 साल से उस देश को ही आधिकारिक टीम रखने की इजाजत है जिसे 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त स्वतंत्र देश' माना जाता है। आईओसी ने बयान में कहा कि ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड डेनमार्क के अंतर्गत अर्ध स्वायत्त क्षेत्र हैं और इस मानक को पूरा नहीं करते हैं। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों का उद्घाटन औपचारिक रूप से राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

No:-996/NP Premnagar/2026 Premnagar, Date:-02/07/2026

// तृतीय ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना //

नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली द्वारा जारी सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
194697	24.57	12300/-	02/07/2026 17.00 PM after	13/07/2026 Before 17.30 PM	16/06/2026 Before 14.00 PM	17/06/2026 After 13.00 PM

उपरोक्त कार्यो की निविदा की समान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही जानकारी ऑनलाईन वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत प्रेमनगर जिला- सूरजपुर (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक/जीएसयू/चक्रधरपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-जीएसयू-पीएसएसए26-27-05।** **कार्य का नाम:** गति शक्ति यूनिट, चक्रधरपुर मंडल के लिए प्रोजेक्ट सुपरविजन सर्विसेज एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति। **निविदा मूल्य:** ₹ 7,71,80,434.80। **बयाना राशि:** ₹ 5,35,900। **खुलने की तारीख:** 31.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-जीएस-एडीडी-26-27-7।** **कार्य का नाम:** चक्रधरपुर, राज गंगपुर, पानपोष, डांगोवापोसी, जरोली, मनोहरपुर, राजखरसावां, गम्हरिया, बिमलगढ़, सोनगरी, चाईबासा, बड़ा जामदा एवं बदामपहाड़ में शेष एबीएसएस कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹1,39,16,75,438.59। **बयाना राशि:** ₹ 2,78,33,500। **खुलने की तारीख:** 30.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** ₹ 0 (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदादाता/बोलीदाताओं के पास क्लास-I I I डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे। **द्रष्टव्य:** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को नि:शुल्क जारी किये जायेंगे (प्राधिकारी -रेलवे बोर्ड की पत्र संख्या: 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी, दिनांक 16.07.2020)। (PR-409)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना क्रमांक- एन/आई/टी/11/26/19 दिनांकः 26/06/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर संभाग निम्नलिखित सामग्रियों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करता हैः

क्र.	निविदा संख्या	निविदा खुलने की तिथि	निविदा खुलने का समय	निविदा पत्र लागत (रु.)	अर्नेस्ट मनी डिपोसिट (रु.)
1	11265342	16/07/2026	10:30	0.00	157650.00

विवरणः संलग्न तकनीकी विनिर्देशों के अनुसार कम्प्यूटरीकृत रेक टेस्ट रिग का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और चालू करना। [वारंटी अवधिः डिलीवरी की तारीख से 30 महीने]
''निविदाकर्ता कृपया हमारी वेब साइट **https://www.ireps.gov.in** पर जाएं।
'' **नोटः-** विवरण से संबंधित विवादास्पद मामले में मूल अंग्रेजी पाठ प्रमाणिक मानी जाएगी।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक
सीपीआर/10/253 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना

कार्य का विवरणः पांच (05) साल की अवधि के लिए BRJN और SKT रेलवे स्टेशनों पर तय किए गए काउंटरों (PRS, UTS और UTS-सह–PRS) पर तय संख्या में स्क्रीन वाले डुअल डिस्प्ले इन्फॉर्मेशन सिस्टम (DDIS) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए लाइसेंसधारी के खर्च पर लाइसेंस हेतु लाइसेंस के आवंटन ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। ई–नीलामी कैटलॉग पहले ही दिनांक 30.06.2026 को आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैंः

कैटेलॉग क्रमांक: DDIS-SKT-BJRN-2 **श्रेणी:** Advertising-On Station Premises (Digital)

नीलामी तिथि एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
15.07.2026 13:30:00	ADVT-BSP-BJRN-OSD-204-26-1	लाइसेंसी के खर्च पर, रेलवे स्टेशनों के 02 चुनिंदा स्टेशनों पर PRS, UTS और UTS–सह–PRS काउंटरों पर कुल 04 स्क्रीन वाले डुअल डिस्प्ले इन्फॉर्मेशन सिस्टम (DDIS) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए लाइसेंस।	1826 दिन
	ADVT-BSP-SKT-OSD-203-26-1	लाइसेंसी के खर्च पर, रेलवे स्टेशनों के 08 चुनिंदा स्टेशनों पर PRS, UTS और UTS–सह–PRS काउंटरों पर कुल 14 स्क्रीन वाले डुअल डिस्प्ले इन्फॉर्मेशन सिस्टम (DDIS) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए लाइसेंस।	

कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/
सीपीआर/10/पीएच/256 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

MATS UNIVERSITY
UGC GRADED AUTONOMY

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

20 Years of Excellence

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY STATE PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH A+ GRADE BY NAAC

CHHATTISGARH'S **OLDEST PRIVATE UNIVERSITY**
ONE UNIVERSITY: THREE MODES, **ENDLESS OPPORTUNITIES.**

REGULAR | DISTANCE | ONLINE

ADMISSION OPEN 2026-27

MATS School of Engineering & Information Technology

Diploma
Mechanical/ Mining/ Civil/ CSE

B.Tech.
CSE - Artificial Intelligence and Machine Learning/ Data Science/ Block Chain Technology/ Cyber Security and Internet of Things (IOT)
Civil - Smart Cities/ Green Technology and Sustainability
Mining - Mining and Mineral Process, GIS & Remote Sensing
Aeronautical - Unmanned Aerial Vehicle , Space Robotics
Mechanical - Additive Manufacturing, Robotics & Automation

University name for Online Admission Counseling in https://cgdte.admissions.nic.in/:
MATS SCHOOL OF ENGINEERING AND INFORMATION TECHNOLOGY

M.Tech.
CSE/ Turbo Machinery
Power Electronics/ Computer Aided Structural Engineering

Admission Help Line : 9109951182, 9755199381

School of Education
Chhattisgarh's First Private University offering Integrated Teachers Education Programme

B.Com. B.Ed.(4Yrs.)
B.Sc. B.Ed.(4Yrs.)
B.A. B.Ed.(4Yrs.)

Admission through NTA - NCET Ranking 2026

Admission Help Line : 9109951184

School of Arts & Humanities

Psychology

B.Sc. Applied Psychology
M.Sc./ M.A.
Clinical Psychology/ Counselling Psychology
Industrial Psychology.
Admission Help Line : 7471180268

B.A.
English with Mass Communication
Hindi Journalism with Mass Communication
History/ Political Science/ Sociology/ Economics

M.A.
English
Hindi
Political Science
Education

Admission Help Line : 7880001773, 9752942949

Social Work

B.S.W.
M.S.W.
Specialisation in Psychiatrc Social Work
Admission Help Line : 9109994500

School of Design

B.Sc.
Fashion Design/ Interior Design
M.Design

Admission Help Line : 9109951183

EXPLORE OUR WIDE RANGE OF ACADEMIC PROGRAMMES

Management & Business Studies
B.B.A.
B.Com.
M.Com.
M.B.A.
Marketing / Finance/ Human Resource Management
Digital Marketing
Artificial Intelligence
Healthcare & Hospital Management
Production & Operations Management
Admission Help Line : 9109913111, 7389376989

Law
B.A. LL.B.
LL.B.
LL.M. 1yr/2yr
Admission Help Line : 9109997900

Physical Education
M.A. Yoga
B.P.Ed.
Admission Help Line : 9755199381

SCAN FOR VIRTUAL TOUR OF MATS UNIVERSITY

Science
B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology
Forensic Science/ CBZ/ PCM
M.Sc.
Microbiology/ Chemistry
Biotechnology/ Zoology
Mathematics/ Botany
Forensic Science
Admission Help Line : 7389356989, 9109991032

Library Science
M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 91099991031

Information Technology
M.C.A.
Web Technology (Full Stack Development)
Data Science (AI, ML, Data Analytics)
M.Sc.(CS)
Cyber Security/ Cloud Computing
B.C.A.
Web Technology (Full Stack Development)
Data Science (AI, ML, Data Analytics)
B.Sc. Animation & Graphic Designing
Admission Help Line : 9109951181

Pharmacy
B. Pharmacy
D. Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381

PG Diploma & Diploma
D.C.A.
Diploma in Computer Applications
D.J.M.C.
Diploma in Journalism & Mass Communication
D.G.L.P.
Diploma in Good Laboratory Practice
P.G.D.C.A.
PG Dip. in Computer Applications
P.G.D.F.S.C.
PG Dip. in Forensic Science & Criminology
P.G.D.G.C.
PG Dip. in Guidance & Counseling
P.G.D.Y.Ed.
PG Dip. in Yoga Education
Admission Help Line: 91099994500

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

UNIVERSITY CAMPUS :
AARANG KHARORA HIGHWAY,
AARANG, RAIPUR (C.G.) -493 441

ADMISSION OFFICE :
RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER,
PANDRI, RAIPUR (C.G.) -492 004

Tel : 0771 4078995, 96, 98
Mob: 9755199381, 9109994500, 9109951184
Web: www.matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com